छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

www.cgfrontline.com

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 47 बैकुंठपुर, शुक्रवार 14 नवंबर 2025 पृष्ठ -8 मूल्य -1

झुमका जलाशय के टापू में फंसे 4 लोगों को बचाया

नाव पलटने से बड़ी दुर्घटना टली, एनडीआरएफ ने किया मॉकड्रिल

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कैलेंडर वर्ष 2025-26 के तहत आज झुमका डैम में जिला स्तरीय मॉक अभ्यास (अपग्रेडिंग) एनडीआरएफ के अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किया गया।

अभ्यास के दौरान झुमका जलाशय के टापू में फंसे चार लोगों को रेस्क्यू टीम ने सफलतापूर्वक बाहर निकाला। इसी बीच एक नाव अचानक पलटने से दो लोग पानी में गिर गए, बचाव-बचाव की आवाज सुनते ही आपदा प्रबंधन दल के सदस्यों ने जान जोखिम में डालकर सुरक्षित निकाला। सभी पीड़ितों को बाहर निकालने के बाद फायर कर्मियों द्वारा एम्बुलेंस से स्वास्थ्य टीम तक पहुँचाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने तत्काल प्राथमिक उपचार दिया।

मौके पर मौजूद एनडीआरएफ व जिला आपदा प्रबंधन दल के अधिकारियों ने समझाया कि बाढ़ जैसी स्थिति में घबराएं नहीं, ऊँचे स्थानों पर जाएं, बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता दें तथा नाव या रस्सी का उपयोग कर बचाव दल का सहयोग करें। साथ ही बिजली उपकरणों से दूरी बनाए रखने, साफ पानी का उपयोग करने जैसे सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई।

जिला सेनानी एवं अग्निशमन विभाग द्वारा इस अभ्यास हेतु होमगार्ड, बचाव दल, मोटर बोट सहित आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए। इस मॉकड्रिल से जिला प्रशासन की तैयारियों का आकलन हुआ और ग्रामीणों को आपदा से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

एनडीआरएफ अधिकारियों ने गैस सिलेंडर में आग लगने पर सुरक्षित उपायों का भी प्रदर्शन किया। इस मॉकड्रिल का उद्देश्य जलाशय क्षेत्र में संभावित बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य की तत्परता का परीक्षण करना और ग्रामीणों को आत्मरक्षा के उपाय सिखाना था।

ऐसे अभ्यास समय-समय पर होते रहने से जनहानि को कम करने और आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने में मदद मिलेगी। संयुक्त कलेक्टर अमित गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, सोनहत एसडीएम अंशुल वर्मा, बैकुंठपुर एसडीएम उमेश कुमार पटेल सहित पुलिस बल, जिला सेनानी बल, जनसंपर्क विभाग, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, फायर ब्रिगेड एवं आपदा प्रबंधन दल के अधिकारी और कर्मचारी और बड़ी संख्या में युवा व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जशपुर जिले की ऐतिहासिक उपलब्धि

कृत्रिम गर्भाधान से जन्मी प्रथम पुंगनुर मादा वत्स, पशु नस्ल सुधार में नई दिशा

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मत्स्य पालन पशुपालन,रेशम पालन, कृषि के क्षेत्र विस्तार को निरंतर बढ़ावा दे रहे है इसका साकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। जशपुर जिले ने पशुपालन क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। कृत्रिम गर्भाधान पद्धति के माध्यम से जिले को पहली बार पुंगनुर नस्ल की मादा वत्स (बछिया) प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि जिले के पशु चिकित्सालय पत्थलगांव में पदस्थ सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के.के. पटेल के अथक प्रयासों से संभव हो सकी। श्री पटेल ने ग्राम करमीटिकरा, करूमहुआ के किसान खगेश्वर यादव की देशी

गाय को पुंगनुर नस्ल के सांड़ के हिमकृत वीर्य से दिनांक 29 जनवरी 2025 को गर्भित किया था। लगभग 284 दिनों के गर्भकाल के बाद गाय ने 11 नवंबर 2025 को एक स्वस्थ पुंगनुर मादा वत्स को जन्म दिया जो जिले के लिए गर्व का क्षण बन गया।

पुंगनुर गाय का मूल स्थान आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले का पुंगनुर क्षेत्र है। यह गाय विश्व की सबसे छोटी नस्ल के रूप में जानी जाती है। इसकी औसत ऊँचाई 70 से 90 सेंटीमीटर तथा वजन 110 से 200 किलोग्राम तक होता है। यह गाय कम चारा, कम देखभाल और कठिन परिस्थितियों में भी सहज रूप से जीवित रह सकती है। इसका दूध भले ही 1 से 2 लीटर प्रतिदिन ही हो, लेकिन इसमें 12 प्रोटीन की अधिकता होने के कारण यह अत्यंत पौष्टिक और औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है।पुंगनुर गाय का स्वभाव मृदु, स्नेहिल और मित्रवत होता है, जिससे इसे पालतू सहचर पशु के रूप में भी घरों में पाला जा सकता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर डॉ. बी.पी. भगत ने सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के.के. पटेल और किसान खगेश्वर यादव को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल पत्थलगांव बल्कि पूरे जशपुर जिले के लिए गौरव की बात है। इससे पशु नस्ल सुधार की दिशा में नए रास्ते खुलेंगे।इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में भी पशुधन संवर्धन और उच्च नस्ल प्राप्ति संभव है।

जिला खनिज संस्थान न्यास के प्रबंधकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास के प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिला खनिज संस्थान न्यास के कार्यो की प्रगति एवं भौतिक-वित्तीय स्थिति की समीक्षा की गई। इसमें मुख्य रूप से

स्वीकृत कार्यों में से प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यों की एजेंसीवार समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने बैठक में सर्व संबंधित अधिकारियों को कार्य पूर्णता के पश्चात उपयोगिता एवं पूर्णता प्रमाण पत्र शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत मुख्यकार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री डी.डी. मांडवी एवं संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हाथी द्वारा जनहानि की घटना में की गई तत्कालिक सहायता

जशपुरनगर। जशपुर वनमण्डल अन्तर्गत कांसाबेल परिक्षेत्र के ग्राम सिकीपानी में 12 नवम्बर 2025 को प्रात: लगभग 05.30 बजे हाथी द्वारा जनहानि की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई। कुनकुरी परिक्षेत्र से आये 12 नग हाथियों का दल कांसाबेल परिक्षेत्र में वितरणस्त था। इस दौरान ग्राम सिकीपानी की निवासी श्रीमती दोरोथिया पन्ना अपने घर के आंगन में नतनी के साथ मौजूद थीं, तभी अचानक दौड़ते हुए एक जंगली हाथी ने उन पर आक्रमण कर दिया। घटना में श्रीमती दोरोथिया पन्ना की मृत्यु हो गई तथा उनकी नतनी कुमारी आरती पन्ना, घायल हुई। सूचना प्राप्त होते ही परिक्षेत्र कांसाबेल का वन अमला त्वरित रूप से मौके पर पहुंचा तथा घायल बालिका को तत्काल उपचार हेतु स्वास्थ्य केंद्र कांसाबेल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पत्थलगांव रेफर किया गया। रैपिड रेस्पॉन्स टीम द्वारा निरंतर मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है तथा घटना स्थल के आसपास स्थित लगभग 10 घरों के बुजुर्ग एवं दिव्यांगजनों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। मृतका के ज्येष्ठ पुत्र श्री संदीप पन्ना को विभाग द्वारा तात्कालिक सहायता राशि रूपये 25 हजार प्रदाय की गई है।

मनोरा में अवैध गर्डलिंग किये गए वृक्षों का उपचार कर किया गया सुरक्षित

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जशपुर वनमण्डल अन्तर्गत वन परिक्षेत्र मनोरा के सरडीह में कुछ अज्ञात तत्वों द्वारा विगत सप्ताह रात्रि में एक ही जगह पर लगभग 150 साल वृक्षों की गर्डलिंग कर गंभीर पर्यावरणीय क्षति पहुंचाने का प्रयास किया गया। वन विभाग अपराधियों की तलाश करने में तत्परता दिखाते हुए ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है एवं ऐसे घटनाओं के प्रति सतर्क रहने व घटना घटित होने पर विभाग को त्वरित सूचित करने समझाइश दे रही है।

वनकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से 200 मिश्रित -करंज, अर्जुन, सिंदूर व अन्य लगवा लिए हैं। गर्डलिंग किए गए साल वृक्षों की मिट्टी, प्लांट मूल हार्मोन पाउडर, दीमक रोधी रसायन मिश्रण का लेप लगाकर पट्टी की गई है, जिससे क्षतिग्रस्त वृक्षों का उपचार कर जीवित रखा जा सके।

डिजिटल प्रशासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। डिजिटल प्रशासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत कलेक्टोरेट कार्यालय के मंत्रणा मीटिंग हॉल में जिला स्तरीय ई-ऑफिस एवं SPARROW प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर एवं ई-ऑफिस के नोडल अधिकारी प्रदीप कुमार साहू, सामान्य प्रशासन विभाग रायपुर से मास्टर ट्रेनर विनोद देवांगन, रवि निषाद तथा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी नरेश कुमार साहू, संजय खाखा, विक्की गुप्ता, शशिकांत नायक राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र जशपुर एवं जिले के सभी विभागों के लगभग 150 अधिकारीगण व कर्मचारी इस प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए और सक्रिय भागीदारी निभाई।

प्रशिक्षण सत्र में अधिकारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। इसमें पत्रों का अधिकारियों के बीच संचलन, ड्राफ्ट तैयार करना, नोटशीट निर्माण और पत्र प्रेषण जैसी प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह प्रदर्शित किया गया कि किस प्रकार एक पत्र या फाइल विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों के पास पहुँचती है और किस तरह उसका निस्तारण किया जाता है। इस अभ्यास से अधिकारियों को डिजिटल माध्यम से कार्य करने की वास्तविक समझ प्राप्त हुई।

सत्र में SPARROW (Smart Performance Appraisal Report Recording Online Window) प्रणाली का भी परिचय कराया गया। यह प्रणाली गोपनीय प्रतिवेदन तैयार करने और उसे सुरक्षित रूप से संधारित करने के लिए विकसित की गई है। अधिकारियों को बताया गया कि SPARROW के माध्यम से मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और व्यवस्थित हो जाएगी। इससे न केवल अधिकारियों के कार्य का निष्पक्ष मूल्यांकन संभव होगा बल्कि प्रशासनिक दक्षता भी बढ़ेगी। इस प्रशिक्षण का महत्व इसलिए भी है क्योंकि जिले में पत्र एवं फाइलों के संचलन को सरल और सुगम बनाने के लिए यह आवश्यक था कि सभी विभागों के अधिकारी एक समान रूप से प्रशिक्षित हों। ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से अब फाइलों का संचलन तेज़ी से होगा, समय की बचत होगी और कार्यों में पारदर्शिता आएगी। इससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी और जनता को सेवाएँ समय पर उपलब्ध कराई जा सकेंगी। जिले के अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया। उनका कहना था कि ई-ऑफिस और SPARROW जैसी डिजिटल प्रणालियाँ प्रशासनिक कार्यों को आधुनिक स्वरूप प्रदान करती हैं। इससे न केवल कार्यप्रवाह में सुधार होगा बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई तकनीकों को अपनाने की तत्परता दिखाई। कलेक्टोरेट कार्यालय में आयोजित यह प्रशिक्षण सत्र डिजिटल इंडिया के विज़न को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

बालाझापर में नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

120 पशुओं में कृमि नाशक दवाइयों का किया गया वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। पशुधन विकास विभाग जशपुर द्वारा ग्राम बालाझापर में एक दिवसीय बहुउद्देशीय पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में कृषक व पशु पालक अपने पशु का उपचार व सलाह प्राप्त किया। पशु चिकित्सकों के द्वारा पशुओं की विभिन्न बिगारियों की पहचान कर आवश्यक उपचार प्रदान किया गया तथा 120 पशुओं में कृमि नाशक दवाइयों का वितरण किया गया।

शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। विशेष रूप से केसीसी, पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण, लिंग वर्गीकृत वीर्य, द्वारा चारा उत्पादन, चारा संरक्षण आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। शिविर में 05 उपचार एवं कृमिनाशक और किलनी नाशक 120-120 दिया गया।

पशुधन विकास विभाग द्वारा पशुपालकों से अपील किया गया कि विभाग द्वारा चलाये जा रहे रोग प्रतिबंधात्मक टीकाकरण कार्यक्रम में सत् प्रतिशत सहभागिता दर्ज कराएं एवं पशुधन को सुरक्षित रखने में योगदान दें।

अपर कलेक्टर ने फोर्टीफाइड चावल के प्रचार हेतु रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की पहल

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में कुपोषण उन्मूलन और स्वस्थ समाज के निर्माण के उद्देश्य से पोषक तत्वों से युक्त चावल फोर्टीफाइड चावल के प्रचार-प्रसार हेतु रथ को अपर कलेक्टर प्रदीप साहू ने कलेक्टोरेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को फोर्टिफाइड चावल के महत्व की जानकारी देगा और इसके उपयोग के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी आशीष चतुर्वेदी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री साहू ने कहा कि शासन की यह पहल आमजन को कुपोषण से मुक्ति दिलाने की दिशा में अत्यंत

उपयोगी है। उन्होंने बताया कि फोर्टीफाइड चावल में आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व मिलाए जाते हैं, जो शरीर में रक्त की कमी को दूर करने, थकान, कमजोरी और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं।

जिला खाद्य अधिकारी श्री चतुर्वेदी ने इस दौरान यह स्पष्ट किया कि फोर्टीफाइड चावल के बारे में समाज में कई भ्रांतियाँ फैली हुई हैं, जैसे यह कृत्रिम या हानिकारक होता है, परंतु यह गलत है। फोर्टीफाइड चावल पूरी तरह सुरक्षित और प्रमाणित तकनीक से तैयार किया जाता है। यह चावल सामान्य चावल की तरह ही पकाया और खाया जा सकता है। रथ के माध्यम से प्रचार दल गांव-गांव जाकर फोर्टीफाइड चावल के लाभ, उसकी पहचान और उससे जुड़ी गलतफहमियों के बारे में आमजन को जागरूक करेगा। प्रचार रथ में इससे संबंधित प्रेरक पोस्टर- बैनर एवं जागरूकता स्लोगन युक्त ध्वनि संदेश चलाने लाउडस्पीकर लगाए गए है। इसके माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया जाएगा कि फोर्टीफाइड चावल अपनाएं और स्वस्थ जीवन पाएं।

अपर कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारी के संबंध में ली बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू ने गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में धान खरीदी की तैयारी के संबंध में समीक्षा बैठक ली।

खरीदी केन्द्रों जशपुर के सभी धान उपार्जन केन्द्र प्रभारी वर्तमान में अनिश्चत कालिन हड़ताल पर होने के कारण राज्य शासन के निर्देश पर जिले के सभी 46 उपार्जन केन्द्र प्रभारियो के स्थान पर दिनांक 12.11.25 को शासकीय कर्मचारियो को नियुक्त किया जा कर आज दिनांक 13.11.25 को अपर कलेक्टर जिला जशपुर की अध्यक्षता में धान उपार्जन के संबंध में विशेष प्रशीक्षण एव उपार्जन कार्य शासन नियम एवं निर्देशो के आधार पर किये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कहानी एवं भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत आज शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देवाडांड खड़गवां में बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक प्रेरणादायी एवं सृजनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर बालिकाओं की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और उत्साह से सराबोर रहा।

कार्यक्रम की थीम हर बालिका राष्ट्र की पूंजी रही, वहीं कहानी लेखन प्रतियोगिता का विषय मेरे सपनों का भविष्य रखा गया। इस प्रतियोगिता में बालिकाओं ने अपने मन के विचारों, सपनों और आकांक्षाओं को प्रभावशाली शब्दों में पिरोकर प्रस्तुत किया। उनकी कहानियों में जहां आत्मनिर्भरता की झलक थी, वहीं एक सशक्त भारत के निर्माण का भाव भी स्पष्ट दिखाई दिया। इस आयोजन का मुख्य

उद्देश्य बालिकाओं के आत्मविश्वास को सशक्त बनाना, उनकी सोच को दिशा देना और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने अपनी रचनाओं से साबित किया कि यदि अवसर मिले, तो हर बालिका समाज और राष्ट्र दोनों के लिए परिवर्तन की धारा बन सकती है। कार्यक्रम का आयोजन जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में किया गया। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर मिशन शक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग से वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ श्रीमती अनीता कुमारी शाह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर सुश्री अमीषा कुशवाहा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण से श्रीमती अंजनी यादव ने भी अपने मार्गदर्शन और सहयोग से आयोजन को प्रभावशाली बनाया। प्रतियोगिता में शामिल बालिकाओं ने जिस उत्साह से अपनी कहानियां प्रस्तुत की, वह सराहनीय रहा। निर्णायकों द्वारा श्रेष्ठ कहानियों का चयन किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सभी बालिकाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ऐसे आयोजन बालिकाओं को न केवल आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश भी फैलाते हैं।

वैध दस्तावेज न मिलने पर तीन पिकअप वाहनों के साथ 200 बोरी धान जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अनुविभागीय अधिकारी वाड्रफनगर नीर निधि नंदेहा ने जानकारी दी है कि उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से धान का परिवहन कर छत्तीसगढ़ राज्य में विक्रय एवं भंडारण के उद्देश्य से लाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि विगत रात्रि को संयुक्त टीम द्वारा 3 पिकअप वाहन पकड़े गए, जिनमें लगभग 200 बोरी अवैध धान भरा हुआ पाया गया। जांच के दौरान वाहनों के चालकों द्वारा किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।प्राथमिक जांच में यह पाया गया कि उक्त धान उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से बलरामपुर जिले के धान खरीदी केंद्रों या सहकारी समितियों में अधिक मूल्य पर विक्रय के उद्देश्य से लाया जा रहा था। इस पर राजस्व, मंडी तथा खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी प्रावधानों के अनुसार प्रकरण दर्ज किया। श्री नंदेहा ने बताया कि जिले में धान खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही प्रशासन की निगरानी और सघन जांच की कार्रवाई लगातार जारी है, ताकि राज्य में अन्य प्रदेशों से अवैध धान की आवाजाही और बिक्री पर पूर्ण नियंत्रण रखा जा सके। उन्होंने कहा है कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में लिप्त किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र कपिलदेवपुर का किया निरीक्षण

15 नवम्बर से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी की तैयारियों का लिया जायजा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने आगामी 15 नवम्बर से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी की तैयारियों का जायजा लेने विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत कपिलदेवपुर धान खरीदी केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बारदाने की उपलब्धता, टोकन वितरण, तौल व्यवस्था और किसानों की सुविधाओं की समीक्षा करते हुए सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ग्राम बसेराकला की उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की जांच की और हितग्राहियों को पारदर्शी एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने निरीक्षण के दौरान धान खरीदी केंद्र में की गई तैयारियों, टोकन वितरण की स्थिति, बारदाने की उपलब्धता, तोलाई व्यवस्था तथा किसानों के लिए की गई मूलभूत सुविधाओं का विस्तार से जायजा लिया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशानुरूप सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर लें, ताकि धान खरीदी के प्रारंभ होते ही किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों में साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं तौल व्यवस्था, तौल मशीनों की शुद्धता, पारदर्शिता एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने तुंहर टोकन एप के माध्यम से किसानों को टोकन जारी करने की प्रक्रिया की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि खरीदी केंद्रों में बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो, ताकि खरीदी कार्य बाधित न हो। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, श्री सुनील गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकान बसेरा कला का किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर श्री कटारा ने ग्राम बसेरा कला स्थित उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर, हितग्राही सूची तथा वितरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने उपस्थित संचालक को राशन वितरण पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ करने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही को खाद्यान्न समय पर प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि दुकान में खाद्यान्न का पर्याप्त भंडारण रहे तथा वितरण के समय लाभार्थियों की ई-पॉस मशीन से बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य रूप से करें।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दुकान में रखे सामग्रियों की गुणवत्ता की जांच की तथा लाभार्थियों से वितरण संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से बातचीत कर नियमित रूप से निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न मिल रहा है या नहीं कि जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने किसी प्रकार की अनियमितता होने पर हितग्राहियों से तत्काल प्रशासन को सूचित करने का आग्रह भी किया। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि शासन की मंशा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से हर पात्र परिवार को गुणवत्तापूर्ण राशन मिले।

ओपन स्कूल परीक्षा 17 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी स्कूल की परीक्षाएं आयोजित की जानी है। जिसके लिए 17 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2025 तक परीक्षा तिथि निर्धारित की गई है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में उक्त परीक्षा के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट (हिन्दी माध्यम) विद्यालय बलरामपुर को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा प्रात: 8:30 से 11:45 बजे तक आयोजित होगी।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा परीक्षा केन्द्र के सघन निरीक्षण एवं अनुचित साधनों के उपयोग को रोकने हेतु जिला स्तरीय निरीक्षण दल का गठन किया गया है। जिसमें अनुविभागीय दण्डाधिकारी बलरामपुर को दल प्रभारी, सहायक संचालक शिक्षा विभाग एवं नायब तहसीलदार बलरामपुर को दल सदस्य बनाया गया है।

चार छात्र करेंगे राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रतिभा का प्रदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली के निर्देशन में प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता का जोन स्तरीय आयोजन इस वर्ष शासकीय बहुउद्देशीय हायर सेकेंडरी स्कूल अंबिकापुर में गत दिनों संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में सूरजपुर जिले के चार विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के लिए किया गया है। जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के कक्षा 12 वीं के छात्र अविनाश सिंह और नवल साय ने क्रमश: स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा सतत कृषि विषय पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवां के कक्षा 12 वीं के गीता सिंह ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा सेजेस जयनगर से कक्षा 8 वीं के छात्र मोहम्मद आसिफ अंसारी ने उभरती प्रौद्योगिकियां विषय पर मॉडल के माध्यम से प्रस्तुति देंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जशपुर जिले में 12 से 15 नवंबर तक किया जाएगा। इस वर्ष का केंद्रीय विषय विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत है, जिसके अंतर्गत सात उपविषय सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा जल संरक्षण एवं प्रबंधन शामिल हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए विचारों की खोज, नवाचार एवं रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित करना है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, डीएमसी मनोज कुमार साहू, सहायक संचालक रविंद्र सिंह देव, प्राचार्य पीसी सोनी रामानुजनगर, मीरा सिंह करवां, वीरेंद्र जायसवाल सेजेस जयनगर एवं गाइड टीचर्स गोपाल सिंह, डॉ. निशा सिंह, फिजा सदफ तथा यशोदा पैकरा ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दी है।

डॉ. सुधा मिश्रा बनी महिलाओं की प्रेरणा स्त्रोत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉ. सुधा मिश्रा को हिंदी साहित्य में पीएचडी की उपाधि राज्यपाल महामहिम रामेन डेका के करकमलों से प्रदान की गई।

इस अवसर पर राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा भी उपस्थित रहे। डॉ. सुधा मिश्रा ने अपनी शैक्षणिक यात्रा में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अंबिकापुर से बीएड, मैट यूनिवर्सिटी रायपुर से योग में स्नातकोत्तर तथा रेवती रमण महाविद्यालय सूरजपुर से अंग्रेजी और हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधियां प्राप्त की हैं। वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के ओएसडी डॉ. रविकांत मिश्रा की धर्मपत्नी तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर के सेवानिवृत्त अंग्रेजी विषय के व्याख्याता रतिपाल मिश्रा की पुत्रवधू हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार के सभी सदस्यों को दिया। गृहिणी होते हुए भी उन्होंने अपने घरेलू दायित्वों का निर्वहन करते हुए यह उपलब्धि प्राप्त की है, जो प्रदेश की महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। उनकी यह सफलता नारी सशक्तिकरण का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है।

कोल अधिकारियों की वेतन विसंगति पर जबलपुर हाईकोर्ट में 16 दिसंबर को अगली सुनवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लंबे समय से वेतन विसंगति की समस्या झेल रहे कोल अधिकारियों के लिए एक बार फिर उम्मीद की किरण जागी है। जबलपुर हाईकोर्ट में इस प्रकरण की सुनवाई अब 16 दिसंबर को होगी। यह मामला कोल अधिकारियों को महारत्न कंपनी के समान वेतनमान दिलाने से जुड़ा है, जिस पर वर्षों से संघर्ष जारी है।

ज्ञात हो कि पिछली सुनवाई 9 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश संजय सचदेवा और न्यायाधीश विनय सराफ की बेंच में हुई। इस दौरान कोयला मंत्रालय की ओर से असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल सुनील जैन उपस्थित हुए और एक बार फिर समय की मांग की। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मंत्रालय को पहले ही कई बार पर्याप्त अवसर दिया जा चुका है। न्यायालय ने कहा कि 7 अप्रैल की सुनवाई में ही बेंच ने कोयला मंत्रालय द्वारा गठित कमेटी को 8 सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। इसके बाद 22 जुलाई को हुई सुनवाई में मंत्रालय ने कमेटी के निर्णय की जानकारी देने के लिए और समय मांगा था। फिर 17 सितंबर की सुनवाई में बताया गया कि कमेटी ने अपनी अनुशंसा कम्पीटेंट ऑथोरिटी को भेज दी है, लेकिन अब फिर से समय मांगे जाने पर बेंच ने टिप्पणी की है कि हम उम्मीद करते हैं कि अगली सुनवाई तक कम्पीटेंट ऑथोरिटी कमेटी की अनुशंसा पर निर्णय ले लेगी। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अब इस मुद्दे पर अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। सूत्रों की मानें तो संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने कोल अधिकारियों को महारत्न कंपनी का वेतनमान देने की अनुशंसा की है। यह प्रस्ताव फिलहाल कोयला मंत्री के पास अंतिम निर्णय के लिए लंबित है और मंत्रालय इसे कैबिनेट से पारित कराने के प्रयास में है।

कोल अधिकारियों के संगठन ने उम्मीद जताई है कि आने वाली 16 दिसंबर की सुनवाई निर्णायक साबित हो सकती है। अगर मंत्रालय ने कोर्ट की अपेक्षा के अनुरूप निर्णय ले लिया, तो हजारों कोल अधिकारियों को वर्षों से लंबित वेतन विसंगति से मुक्ति मिल सकेगी। उद्योग जगत के जानकारों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि कोल इंडिया जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में कार्यक्षमता और स्थिरता भी बढ़ेगी।

जिसने जिंदगीभर अंधेरे में काम कर उजाला दिया, आज उसी के घर में बुझ चुकी हैं उम्मीदें

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल के सेवानिवृत्त कोल कर्मी स्व. दूधनाथ सिंह के निधन को तीन वर्ष बीते गए, फिर भी उनकी विधवा पत्नी पेंशन से वंचित है। वृद्ध मां और लकवाग्रस्त बेटे की करुण कहानी ने पूरे गांव को भावुक कर दिया है। गौरतलब है कि बिश्रामपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत करमपुर में पुरानी दीवारों और टूटी छतों के बीच एक ऐसा घर है जो अब सिर्फ खामोशी, दर्द और उम्मीद का प्रतीक बन चुका है। इस घर में रहती हैं प्यारो बाई, जो अब चल नहीं सकतीं, बोल नहीं सकतीं और शायद मुस्कुराना भी भूल चुकी हैं। उनकी कहानी किसी उपन्यास की नहीं, यह सच्चाई है उस व्यवस्था की, जिसने एक मेहनतकश परिवार को अपने ही हक के लिए तरसने पर मजबूर कर दिया। ज्ञात हो कि स्वर्गीय दूधनाथ सिंह, एसईसीएल के ओल्ड कुम्दा कॉलरी में कार्यरत थे। कोयले की कालिख और खदान की अंधेरी सुरंगों में उन्होंने अपने परिवार की जिंदगी रोशन की।वर्ष 2014 में वे सेवानिवृत्त हुए, और कुछ वर्षों तक उन्हें नियमित पेंशन मिलती रही। पर 13 जनवरी 2022 को बीमारी ने उनकी जिंदगी को छीन लिया।उनके दुनिया से जाने के बाद नियमों के तहत पत्नी प्यारो बाई को विधवा पेंशन मिलनी थी। आवेदन भी किया गया, दस्तावेज भी जमा हुए, लेकिन आज तीन साल बाद भी वह पेंशन प्रक्रिया में है। विभागीय लापरवाही की एक दुखद मिशाल बनकर रह गई है। प्यारो बाई आज वृद्धावस्था और लकवे की बीमारी से पूरी तरह ग्रसित हैं। फिर भी उनकी आंखों में हर रोज एक उम्मीद चमकती है कि शायद आज पेंशन का पैसा मिल जाए। उनकी फाइल कई बार अधिकारियों की मेज पर पहुंची, लेकिन हर बार या तो किसी दस्तावेज की कमी बताई गई या अगले महीने की तारीख।प्यारो बाई की पूरी जिंदगी अब उनके बेटे तपेश्वर सिंह पर निर्भर थी। वे छोटे-छोटे काम करके परिवार का खर्च चलाते थे। गांव में सक्रिय समाजसेवी के रूप में जाने जाते थे। वे भाजपा बूथ क्रमांक 243 के बूथ अध्यक्ष और वार्ड पंच हैं। दूसरों की मदद करना उनका स्वभाव था। सितंबर 2025 में अचानक किस्मत ने उनसे भी सब कुछ छीन लिया और तपेश्वर को लकवा मार गया। अब एक ही घर में दो पीढ़ियां बिस्तर पर हैं। एक मां जो चल नहीं सकती और एक बेटा जो अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सकता। घर में तीन छोटे बच्चे हैं, जिनकी आंखों में बचपन की चमक के साथ अब भूख और डर की छाया भी दिखाई देती है।घर की हालत देखकर कोई भी भावुक हो जाए। छत टपकती है, दीवारें झड़ रही हैं। कभी तपेश्वर गांव में दूसरों को सहयोग देते थे, आज वही परिवार दूसरों के सहयोग से अपना दिन काट रहा है। दवाइयों के लिए पैसे नहीं और रोजमर्रा का खर्च एक बोझ बन चुका है। गांव के एक बुजुर्ग ने कहा कि यह वही परिवार है जो दूसरों के लिए हमेशा खड़ा रहता था। आज जब इन्हें सहारे की जरूरत है, तो सिस्टम मौन है। दूधनाथ सिंह की विधवा को मिलने वाली पेंशन की फाइल तीन साल से एसईसीएल के दफ्तरों में इधर-उधर घूम रही है। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से एसईसीएल प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन से इस मामले पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय उदासीनता ने एक पूरा परिवार तबाह कर दिया है। अगर समय रहते पेंशन मिल गई होती, तो शायद तपेश्वर की हालत भी इतनी नहीं बिगड़ती। प्यारो बाई कहती हैं कि बस पेंशन मिल जाए बेटा ताकि बच्चों का पेट भर सकें।

कलेक्टर ने किया विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का अवलोकन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेंद्र कटारा ने विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत चल रहे कार्यों का

अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत मतदान केंद्र चलगली पहुंचकर मतदाता सूची से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर ने बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से चर्चा कर विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति तथा गणना पत्रक वितरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने निर्देश देते हुए कहा कि पुनरीक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता, सटीकता और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें, ताकि आगामी निर्वाचन के लिए शुद्ध और अद्यतन मतदाता सूची तैयार हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में अवश्य दर्ज हो, इसके लिए घर-घर जाकर गणना पत्रक का मिलान कर जानकारी प्राप्त करें। साथ ही जागरूकता संबंधी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कटरा ने मतदाताओं से अपील की है कि 4 दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से गणना पत्रक भरकर अपने मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा करें। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज स्वयं की अथवा माता पिता की जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने बीएलओ सहयोग ले सकते हैं।

हड़ताल से निपटने शासन स्तर पर धान खरीदी की नई व्यवस्था

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। चार सूत्रीय मांगों को लेकर समिति प्रबंधक गत तीन नवंबर से हड़ताल पर हैं। इधर 15 नवंबर से धान खरीदी का कार्य शुरू होना है। धान खरीदी व्यवस्था निर्धारित समय पर शुरू करने शासन स्तर पर नई व्यवस्था दी गई है। 12 नवंबर को कलेक्टर सूरजपुर ने छग शासन सहकारिता विभाग मंत्रालय महानदी भवन रायपुर के पत्र और वीडियो कान्फ्रेंसिंग से प्राप्त निर्देशों के बाद खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समिति स्तर पर प्रभारी समिति प्रबंधक, धान खरीदी प्रभारी के रूप में अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, सहकारी निरीक्षक, खाद्य निरीक्षक, समिति प्रबंधक नवीन संवर्ग पद के अधिकारियों की नियुक्ति धान खरीदी प्रभारी के रूप में की गई है। जिले में कुल 54 समितियों में कलेक्टर ने अधिकारियों की नियुक्ति कर इसकी सूची जारी कर दी है। जिसमें केशवनगर धान खरीदी केंद्र में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी नीलकमल मिश्रा, कंदरई में प्रभा तिर्की, रामनगर में सहकारी निरीक्षक महेंद्र राजवाड़े, मानी में कौशलेंद्र सिंह, जयनगर में हेमंत सिंह ओरकरा, सिलफिली में कुमार संभव यादव, लटोरी में मंजुला रानी तिग्गा, कल्याणपुर में देवांशू जायसवाल, कसलगिरी रविन्द्र कुमार ब्यास समिति में प्रभारी अधिकारी के रूप में धान खरीदी की व्यवस्था देखेंगे।

ज्ञात हो कि राज्य सरकार ने हर किसान से 21 क्विंटल धान 31 रुपए किलो के भाव से खरीदने का निर्णय लिया है। धान खरीदी का कार्य दो दिन बाद पंद्रह नवंबर से 31 जनवरी तक चलेगा। शासन स्तर पर धान खरीदी को लेकर इस बार कड़ी निगरानी रखी गई है गिरदावरी से लेकर बाहर के धान समितियों तक नहीं पहुंच पाए इसके लिए कड़ी निगरानी की जा रही है।

लौह पुरुष की जयंती पर निकलेगा यूनिटी मार्च

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च का आयोजन किया जा रहा है। इस मार्च का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति, सामाजिक समरसता, भाईचारा एकता को मजबूत करना है। यूनिटी मार्च तीनों विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे, जिसमें 14 नवंबर को प्रतापपुर एवं रामानुजगंज क्षेत्र अंतर्गत आयोजित होगा।

विधानसभा क्षेत्र प्रतापपुर में वाड्रफनगर प्रेमनगर चौक में 9 बजे से एकत्रीकरण, 9:30 बजे शिवमंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना, 9:40 भोदर मोड़ में स्वागत, 10 बजे जमई मोड़ में स्वागत एवं पुष्प वर्षा, 10:20 में जमई शिव चबूतरा में पूजा अर्चना, 10:40 में बसन्तपुर झारा पारा में धान कटाई, 10:50 में बसन्तपुर बनारस मार्ग में स्वागत, 11:20 में बसन्तपुर अस्पताल परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण, 11:40 में बसंतपुर धान खरीदी परिसरसभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, दोपहर 12:30 में बसंतपुर से बलरामपुर हेतु प्रस्थान करेंगे तत्पश्चात 3 बजे हनुमान मंदिर के पास एकत्रीकरण, 3:10 में शहीद पार्क चांदो चौक शहीदों को पुष्पांजलि, 3:30 में हिंदू चौक दहेजवार में स्वागत एवं पुष्प वर्षा, 3:45 में माता समलाई मंदिर पुरानडीह चौक में पूजा अर्चना एवं वृक्षारोपण, 4:20 में रानी दुर्गावती फ्युल्स के सामने धान बोझा बांधना एवं उठाना, 4:45 में सरनाडीह अटल चौक में अटल जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं स्वच्छता, 5 बजे सरनाडीह पंचायत भवन में आमसभा, शाम 6 बजे पंचायत भवन में स्थानीय लोगों से भेंट मुलाकात एवं चर्चा होगी।

सामरी विधानसभा में 16 नवम्बर को होगा आयोजन

इसी प्रकार विधानसभा सामरी में 16 नवम्बर को 9रू 30बजे महामाया मंदिर राजपुर में एकत्रीकरण, गांधी चौक में 10 बजे गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, 10:30 बजे अग्रसेन चौक में स्वागत, 11:30 बजे बुढ़ा बगीचा हाई स्कूल मैदान में आमसभा, दोपहर 12.30 बजे ग्राम लडुवा में वृक्षारोपण किया जाएगा। जिला प्रशासन ने अपील की है कि यूनिटी मार्च में अधिक से अधिक लोग शामिल होकर सक्रिय भागीदारी निभाएं और राष्ट्र के प्रति एकता का संदेश दें।

वेल्डिंग दुकान में अस्पताल! बिना डिग्री लोगों का इलाज कर रहा झोलाछाप डॉक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां गौहर अली नामक झोलाछाप डॉक्टर ने वेल्डिंग की दुकान के अंदर ही फर्जी अस्पताल खोल रखा था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तीन कमरों में बेड लगाकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है, वह भी बिना किसी चिकित्सकीय योग्यता या पंजीकरण के।

बिना डिग्री के भर्ती मरीजों का इलाज

जानकारी के मुताबिक, गौहर अली बिना किसी मेडिकल डिग्री या मान्यता के मरीजों को भर्ती कर इलाज और दवाएं दे रहा था। बताया गया है कि हर दिन दर्जनों लोग इस कथित अस्पताल में इलाज कराने पहुंचते थे। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, झोलाछाप डॉक्टर के गलत दवा उपचार से कई बार मरीजों की हालत गंभीर हो चुकी है।

विधायक के घर से सिर्फ 100 मीटर की दूरी

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह फर्जी अस्पताल स्थानीय विधायक के घर से महज 100 मीटर की दूरी पर चल रहा था। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि झोलाछाप डॉक्टरों को अफसरों और नेताओं का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते वे बेखौफ मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं।

पहले भी झोलाछाप डॉक्टरों से गई हैं कई जानें

सरगुजा जिले में पहले भी ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के इलाज से कई लोगों की मौतें हो चुकी हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की निष्क्रियता पर अब सवाल उठ रहे हैं।

नागरिकों ने की कार्रवाई की मांग

वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय नागरिकों में आक्रोश है। उन्होंने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि गौहर अली के खिलाफ धोखाधड़ी, अवैध चिकित्सा अभ्यास और जनजीवन को खतरे में डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की जाए और ऐसे फर्जी अस्पतालों पर तत्काल रोक लगाई जाए।

जरही के पूर्व पार्षद रवि महंत बने युवा कांग्रेस सूरजपुर के जिला उपाध्यक्ष

क्षेत्र में हर्ष की लहर, युवाओं में दिखा उत्साह, संगठन को मिलेगी नई दिशा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। जिले की युवा राजनीति में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। जरही नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 6 के पूर्व पार्षद रवि महंत को युवा कांग्रेस सूरजपुर का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। युवा कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व द्वारा की गई इस घोषणा से पूरे जिले में हर्ष और उत्साह का माहौल है। रवि महंत लंबे समय से कांग्रेस संगठन के प्रति समर्पित रहकर जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। सामाजिक कार्यों में उनकी निरंतर भागीदारी और युवाओं के बीच लोकप्रियता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति को युवा कार्यकताओं ने पार्टी संगठन में नई ऊर्जा के रूप में देखा है।

स्थानीय कार्यकताओं का कहना है कि रवि महंत का नेतृत्व संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। रवि महंत ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि- ₹मैं पार्टी नेतृत्व का आभारी हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया है। मेरा लक्ष्य है कि युवा कांग्रेस को गांव-गांव तक सक्रिय कर युवाओं की आवाज को मजबूती से आगे बढ़ाया जाए।₹ उनकी इस उपलब्धि पर नगर पंचायत जरही एवं आसपास के क्षेत्र के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी है। समर्थकों का कहना है कि रवि महंत हमेशा से क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मुखर रहे हैं और समाजसेवा में उनकी गहरी रुचि रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी यह नियुक्ति न केवल सूरजपुर जिले की युवा कांग्रेस को नई दिशा देगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की पकड़ को भी मजबूत करेगी।

जशपुर सूटकेस कांड की मुख्य आरोपी मनमाड़ से गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जशपुर जिले के भिंजपुर गाँव में पति की हत्या कर शव को सूटकेस में बंद करने वाली महिला पुलिस के हत्थे चढ़ गई। 9 नवंबर को संतोष भगत की लाश उसके ही घर में सूटकेस से बरामद की गई थी। पुलिस ने जांच के बाद मृतक की पत्नी मंगरीता भगत को हत्या का आरोपी चिन्हित किया, जो घटना के बाद से फरार चल रही थी। मामला दुलदुला थाना क्षेत्र का है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में गठित टीम ने आरोपियों का पीछा करते हुए उसे महाराष्ट्र के मनमाड़ जंक्शन से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी में जीआरपी एसपी श्वेता सिन्हा, डीएसपी अख्तर और आरपीएफ की टीम का अहम योगदान रहा है।

चरित्र शक को लेकर होता था विवाद

इसी दौरान पूछताछ में मंगरीता ने अपना गुनाह कबूल करते हुए बताया कि, पति-पत्नी के बीच चरित्र शक को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। 9 नवंबर को उसी बात को लेकर फिर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद गुस्से में आकर उसने शील पट्टा (पत्थर) से वार कर पति को मौत के घाट उतारा दिया और शव को सूटकेस में छिपा दिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

हाईकोर्ट की फटकार के बाद 9 साल पुराना केस 24 घंटे में बंद

डीजीपी ने खुद दाखिल किया हलफनामा, 7 अफसरों पर कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सख्त नाराजगी के बाद राज्य पुलिस मुख्यालय ने एक 9 साल पुराने आपराधिक मामले में अभूतपूर्व तेजी दिखाई है। हाईकोर्ट से फटकार लगने के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने साक्ष्य के अभाव में केस बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। राज्य के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने खुद अदालत में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर पूरी कार्रवाई की जानकारी दी। साथ ही, जांच में देरी और लापरवाही बरतने के लिए 7 पुलिस अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

मामला क्या है

यह मामला वर्ष 2016 का है। याचिकाकर्ता लखनलाल वर्मा के खिलाफ अंबिकापुर थाने में धारा 384, 502, 504 और 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था। लखनलाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उनके दो सह-आरोपी पहले ही बरी हो चुके हैं, लेकिन पुलिस जानबूझकर उनके खिलाफ जांच लंबित रखे हुए है।

हाईकोर्ट का सख्त रुख

हाईकोर्ट ने 6 नवंबर 2025 डीजीपी को आदेश दिया था कि वह व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करें और बताएं कि 9 साल से लंबित जांच में इतनी देरी क्यों हुई, तथा संबंधित अफसरों पर क्या कार्रवाई की गई।

डीजीपी ने सौंपी रिपोर्ट, 7 अधिकारियों पर कार्रवाई

हाईकोर्ट के निर्देश मिलते ही डीजीपी अरुण देव गौतम ने मामले की समीक्षा कर पुलिस मुख्यालय से रिपोर्ट तैयार करवाई। रिपोर्ट में देरी के लिए जिम्मेदार अफसरों पर निम्न कार्रवाई की गईः 6 उपनिरीक्षक, नरेश चौहान, विनय सिंह, मनीष सिंह परिहार, प्रियेश जॉन, नरेश साहू, वंश नारायण शर्मा की 1 वर्ष की वेतन वृद्धि रोकी गई।

जांच में नहीं मिले साक्ष्य, केस बंद करने की प्रक्रिया शुरू

अपने हलफनामे में डीजीपी ने कहा कि जांच के दौरान कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला। इसलिए अब मामले में धारा 169 सीआरपीसी के तहत अंतिम रिपोर्ट विचारण न्यायालय में प्रस्तुत की जा रही है। उन्होंने अदालत को भरोसा दिलाया कि हाईकोर्ट के सभी निदेशों का शत-प्रतिशत पालन किया गया है। हाईकोर्ट की सख्त फटकार के बाद यह केस केवल 24 घंटे में बंद करने की प्रक्रिया में पहुंच गया।

ईडी ने चैतन्य बघेल की 61 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी ने कुर्क कर दी है। जब्त संपत्तियों में 384 प्लॉट जिसकी कीमत 59.96 करोड़ रुपये और 1.24 करोड़ रुपये बैंक बैलेंस शामिल हैं। गुरुवार को ईडी ने प्रेस रिलीज कर इसकी जानकारी दी। ईडी ने बताया कि, रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जाँच के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 10/11/2025 को चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की है। कुर्क की गई संपत्तियों में 364 आवासीय भूखंडों और कृषि भूमि के रूप में 59.96 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियाँ शामिल हैं. इसके साथ ही बैंक बैलेंस और एफडी के रूप में 1.24 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्तियाँ भी शामिल हैं।

2500 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप

ईडी ने छत्तीसगढ़ राज्य में शराब घोटाले में आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत एसीबी/ईओडब्ल्यू, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जाँच शुरू की। पुलिस जाँच से पता चला है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और

अनुसूचित अपराधों से अर्जित 2500 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय (पीओसी) से लाभार्थियों की जेबें भरी गईं। पीएमएलए के तहत की गई जाँच से पता चला है कि भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के शीर्ष पर तैनात थे।

सीएम के बेटे होने का उठाया फायदा

मुख्यमंत्री के पुत्र होने के नाते, उन्हें शराब सिंडिकेट का नियंत्रक और अंतिम अधिकारी बनाया गया था। वह सिंडिकेट द्वारा एकत्र की गई सभी अवैध धनराशि का ₹हिसाब₹ (हिसाब) बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार थे। ऐसी धनराशि (पीओसी) के संग्रह, चैनलाइजेशन और वितरण से संबंधित सभी बड़े फैसले उनके निदेशों के तहत लिए जाते थे ईडी की जाँच से यह भी पता चला कि वह पीओसी के प्राप्तकर्ता थे, जिसे उन्होंने अपने रियल एस्टेट व्यवसाय के माध्यम से बढ़ाया और बेदाग संपत्ति के रूप में पेश किया। चैतन्य बघेल ने शराब घोटाले से प्राप्त पीओसी का उपयोग अपनी स्वामित्व वाली कंपनी मेसर्स बघेल डेवलपर्स के तहत अपनी रियल एस्टेट परियोजना ₹विट्ठल ग्रीनर₹ के विकास के लिए किया। चैतन्य बघेल को ईडी ने 18.07.2025 को गिरफ्तार किया था और वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

इनकी सम्पत्तियां भी की जा चुकी हैं कुर्क

इससे पहले, इस मामले में अनिल टुटेजा (पूर्व आईएएस), अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी (आईटीएस) और कवासी लखमा (विधायक और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन आबकारी मंत्री) को ईडी ने गिरफ्तार किया था। यह बताना उचित होगा कि 61.20 करोड़ रुपये की वर्तमान कुर्की, लगभग 215 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों की पूर्व में की गई कुर्की का ही एक हिस्सा है। आगे की जाँच जारी है।

स्वर्णकार वेल्फेयर एसोसिएशन सहित समाज के अन्य संगठनों ने आईजी को किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राजेश ज्वेलर्स रामानुजगंज में सितम्बर 2024 में दिन-दहाड़े हुई सबसे बड़ी डकैती की वारदात में शामिल आरोपियों को रामानुजगंज और बलरामपुर जिला पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया था। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज व एसपी बलरामपुर ने स्वयं पुलिस महकमे का मार्गदर्शन करते हुए डकैतों से सामान बरामद किया और न्यायालय में तत्काल चालान पेश करवाया। इधर न्यायालय की संपूर्ण कार्रवाई में तत्परता दिखाते हुए लगभग 14 माह में सभी आरोपियों को

आजीवन कारावास की सजा सुनाई। डकैती कांड में तत्काल मिले न्याय से समस्त स्वर्णकार समाज में हर्ष का माहौल है। इसी क्रम में स्वर्णकार वेलफेयर छत्तीसगढ़, सरगुजा स्वर्णकार समाज एवं सराफा एसोसिएशन सरगुजा के पदाधिकारियों ने सरगुजा रेंज के आईजी दीपक कुमार झा से मिलकर बलरामपुर पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई की सराहना की और साल, श्रीफल से सम्मानित करके आभार व्यक्त किया। इस दौरान स्वर्णकार वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.डीके सोनी, उपाध्यक्ष राजेश सोनी, कोषाध्यक्ष अखिलेश सोनी, सरगुजा स्वर्णकार समाज के सचिव निलेश सोनी, उपाध्यक्ष गोप सोनी, शालिग्राम सोनी, दीपक सोनी, नवनीत सोनी, सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश सोनी, हरिओम, हैप्पी सोनी, राजेश सोनी गहना ज्वेलर्स, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दीदी की गोठ के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर विकासखण्ड के असोला में दीदी की गोठ के लाइव प्रसारण का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम बड़े उत्साह और सहभागिता के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महराज, लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसौदिया, भारत सिंह सिसौदिया, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रेरक गोठ सुनीं और बिहान योजना के माध्यम से ग्रामीण आजीविका, महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को लेकर साझा किए जा रहे

अनुभवों से प्रेरणा ली। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महराज ने कहा दीदी की गोठ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह महिलाओं की आत्मनिर्भरता की यात्रा का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं अपने परिश्रम से गांवों की तस्वीर बदल रही हैं। दीदी की गोठ कार्यक्रम में शामिल जय मां शेरा वाली स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती इलिमा राय ने बताया कि वह वर्ष 2014 से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़कर पशु सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। अब तक उन्होंने लगभग 5000 पशुओं की डीवार्मिंग और टीकाकरण किया है तथा गांवों में पशुधन स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि बिहान योजना ने उन्हें न केवल आर्थिक रूप से सशक्त किया, बल्कि समाज में सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान किया। दीदी की गोठ कार्यक्रम के माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाएं की कहानी उन्हीं की जुबांनी सुन कर अन्य महिलाएं प्रेरित हो रही है, बल्कि आगे बढ़कर समाज में बदलाव की धारा भी लिख रही हैं।

जंगल से निकलकर रोड पर पहुंचे 25 हाथी, कई गांवों में अलर्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। जिले में पिछले दो दिनों से घरघोड़ा-रायगढ़ रोड पर हाथियों का झूंड आ रहा है। हाथी जंगल से निकलकर रोड पर काफी देर तक चहलकदमी करते हैं। इसके कुछ देर बाद वापस जंगल की ओर चले जा रहे हैं। इसमें नर-मादा के साथ शावक भी हैं। 12 नवंबर की शाम हर दिन की तरह इस रोड पर लोगों का आना-जाना लगा हुआ था। ट्रक-डंपर के साथ बाइक सवार भी इस रोड से गुजर रहे थे, लेकिन तकरीबन साढ़े चार बजे 25 हाथियों का झुंड सामारूमा के जंगल से निकलकर रोड पर आ गया। जिसके बाद दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। हाथियों के दल की जानकारी वन अमले को लगी, तो मौके पर वनकर्मी और काफी संख्या में आसपास के ग्रामीण वहां पहुंच गए। इसके बाद दोनों ओर से वाहनों को रोक दिया गया। हाथी का झुंड काफी देर तक घरघोड़ा-रायगढ़ मेन रोड पर खड़ा रहा। कुछ हाथी सड़क नीचे तो कुछ ऊपर थे। इस दौरान लोगों न उनका वीडियो भी बनाया। इसके बाद वे वापस जंगल की ओर चले गए। बताया जा रहा है कि 11 नवंबर की शाम को भी यही हाथी का दल सड़क पर काफी देर तक खड़ा रहा।

शराब घोटाले में फंसे आबकारी अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर/नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के चर्चित दो हजार करोड़ रुपये से अधिक के शराब घोटाले में फंसे आबकारी विभाग के अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। अदालत ने उन्हें जरूरी शर्तों के साथ स्थायी जमानत प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सभी आरोपी अधिकारी दो सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष अपना पासपोर्ट सरेंडर करेंगे और राज्य की सीमाओं से बाहर जाने से पहले कोर्ट की अनुमति लेनी होगी। डिवीजन बेंच-जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची-ने यह आदेश गुरुवार को सुनाया। अदालत ने स्पष्ट किया कि गैर-हाजिरी को जमानत शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा, और यदि

किसी अधिकारी ने जांच में सहयोग नहीं किया या गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की, तो जमानत रद्द की जा सकती है।

जांच में सहयोग करना अनिवार्य

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आबकारी अधिकारी जांच अधिकारी के बुलावे पर उपस्थित रहेंगे और यदि जांच के दौरान कोई अतिरिक्त चार्जशीट दाखिल होती है, तो उसमें पूरा सहयोग देना होगा। साथ ही, सभी याचिकाकताओं को अपने मोबाइल नंबर जांच एजेंसी को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है ताकि जरूरत पड़ने पर उनसे संपर्क किया जा सके।

कवासी लखमा की याचिका पर दो सप्ताह बाद सुनवाई

शराब घोटाले के एक अन्य आरोपी, पूर्व आबकारी मंत्री व कोंटा विधायक कवासी लखमा की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट दो सप्ताह बाद सुनवाई करेगा।

सम्पादकीय

आतंकी किसी भी तरह से दहशत फैलाने पर आमादा

जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, साफ होता जा रहा है कि देश की राजधानी दिल्ली को दहलाने की नापाक साजिश के पीछे आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का हाथ है और इसके तार कश्मीर घाटी से जुड़े हुए हैं। कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी होने के कारण आतंकी वहां कोई हरकत करने में कामयाब नहीं हो पा रहे थे तो इन्होंने उत्तर भारत में दहशतगर्दी को अंजाम की साजिश रची। हालांकि हमारे सुरक्षा सुरक्षा बलों ने फरीदाबाद, सहारनपुर में छापे मारकर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद कर लिया था और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के करीब थे तभी आतंकी आकाओं ने दिल्ली में धमाके को अंजाम दे दिया। जांच में पता चला है कि धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल किया गया। इससे पहले जांच एजेंसियों ने फरीदाबाद से तीन क्विंटल अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया था। माना जा रहा है कि दिल्ली विस्फोट के तार भी फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। फरीदाबाद में कई जगह से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री की बरामदगी और फिर दिल्ली में धमाके का एक दिन होना, निस्संदेह किसी बड़ी साजिश की आशंका की ओर इशारा कर रहा है। आतंकी हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि किसी भी तरह से भारत की शांति को भंग किया जाए। इसके लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं और ये धमाके फरीदाबाद मॉड्यूल का ही कारनामा है। इसमें कई डॉक्टरों के शामिल होने की वजह से इसे 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' भी कहा जा रहा है। अब ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि मॉड्यूल का असली मास्टरमाइंड मौलवी इरफान अहमद है, जो कि जम्मू और कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। इस आतंकी मॉड्यूल में जितने भी डॉक्टर शामिल हैं, उन सबको मौलवी इरफान ने ही कट्टरपंथी बनाया है। वह श्रीनगर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिकल था और सभी स्टूडेंट्स से लगातार संपर्क में था। वह नौगाम मस्जिद का इमाम भी था। कहा जा रहा है कि वह जैश-ए-मोहम्मद से प्रेरित है और छात्रों को उसके वीडियो दिखाता रहता था। वह अफगानिस्तान में किसी से वीओआईपी पर बातें भी करता था।' जानकारी के उसका काम यह सुनिश्चित करना था कि छात्र कट्टर बनें और डॉक्टर मुजम्मिल शकील और डॉक्टर मोहम्मद उमर, इरफान के इसी काम को आगे बढ़ाने में लगे हुए थे। जिसे अब फरीदाबाद मॉड्यूल कहा जा रहा है, उसकी जांच 27 अक्टूबर को श्रीनगर के नौगाम में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के समर्थन वाले पोस्टर सामने आने के साथ शुरू हुई थी। इस मामले में पहले तीन ग्राउंड वर्कर धरे गए थे, जो एक जमाने में श्रीनगर में पत्थरबाजी का काम करते थे। उन्होंने ही पुलिस को मौलवी इरफान अहमद तक पहुंचाया। मौलवी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने डॉ. अदील अहमद राथर और जमीर अहनगर को गिरफ्तार किया। हालांकि अभी जांच एजेंसियों ने कोई खुलासा नहीं किया है। वे हर कड़ी को जोड़ने के काम में लगी हैं। इतना तो साफ है कि दहशतगर्दों का इरादा भारत में अशांति फैलाने का है। हम सबसे इसे लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। सुरक्षा बल तो अपना काम कर रहे हैं। देश का हर नागरिक अगर सतर्क होगा तो आतंकी मनसूबे कामयाब नहीं हो पाएंगे।

वारदात
डॉ. रमेश ठाकुर

> दिल्ली जैसा राज्य जो अति सुरक्षित हो, चप्पे-चप्पे पर चौबीसों घंटे चौकसी रहती हो? जहां केंद्र सरकार से लेकर खुफिया एजेंसियों का ठिकाना हो, वहां घटित ऐसे हादसे को सीधे-सीधे हुकूमत की नाकामी और सुरक्षा तंत्र की घोर विफलता ही कहा जाएगा। विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी? सीसीटीवी फुटेज में कार घटना के कुछ घंटे पहले पास के एक मस्जिद परिसर में खड़ी देखी गई। क्या प्लानिंग पहले से की गई थी या फिर आरडीएक्स के शेष हिस्से को ब्लास्ट के जरिए दफन करना था। हालांकि, घटना के बाद जांच चौकसी को बढ़ाते हुए हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में हाई अलर्ट किया गया है।

दिल्ली ब्लास्ट हादसा या साजिश

ब्लास्ट होने के महज कुछ घंटों पहले दिल्ली से सटे 47 किलोमीटर दूर फरीदाबाद में संदिग्धों के घरों से हथियारों का भारी मात्रा में जखीरा मिलना और सैकड़ों किलो आरडीएक्स की बरामदगी घटना से संबंध जुड़ने की ओर इशारा करती है? बेशक घटना को अभी आतंकी या फिदायीन हरकत करार न दी गई हो? पर, हमले का मॉड्यूल बहुत कुछ कहता है। हालांकि, केंद्रीय जांच एजेंसियां, एनआईए और एनएसजी फिलहाल हर एंगल से कड़ियों को जोड़ने में लगी है। खुदा-ना-खास्ता अगर ये आतंकियों की हरकतें निकली, तो समझ लेना चाहिए कि अब उन्होंने अपने मंसूबों को अंजाम देने वाले तरीकों में बदलाव कर लिया है। दिन में आतंकी नेटवर्क का पकड़ा जाना और देर शाम को धमाका हो जाने की थ्योरी पर सभी अचंभित हैं। दिल्ली जैसा राज्य जो अति सुरक्षित हो, चप्पे-चप्पे पर चौबीसों घंटे चौकसी रहती हो? जहां केंद्र सरकार से लेकर खुफिया एजेंसियों का ठिकाना हो, वहां घटित ऐसे हादसे को सीधे-सीधे हुकूमत की नाकामी और सुरक्षा तंत्र की घोर विफलता ही कहा जाएगा। विस्फोट का खौफजदा मंजर न सिर्फ भयभीत करने जैसा था, बल्कि डरावना भी?

घटना के समय चारों तरफ भगदड़ मचना, चीख-पुकार का तेज शोर व विस्फोटक चिंगारियों से मेट्रो स्टेशन के शीशों का चटाचट टूटना और ब्लास्ट वाली कार का एक गेट करीब 90 मीटर दूर जाकर गिरने के मंजर को देखकर प्रत्यक्षदर्शी, राहगीर और दुकानदार सहम से गए। लोग दुकानों में छिप गए, गाड़ियों की आड़ लेकर बैठ गए। ब्लास्ट वाली जगह पर चौबीसों घंटे लोगों की चहल-पहल रहती है। एशिया का सबसे बड़ा बाजार भी वहीं है, इसलिए उसे व्यस्तम इलाकों में गिना जाता है। लालकिले के बाहरी हिस्से में लाखों लोगों की प्रतिदिन आवाजाही रहती है। गनीमत ये रही कि सोमवार का दिन था, अमूमन दुकानें बंद रहती हैं। वरना, इस भयभीत मंजर में भगदड़ मचने से और भी बड़ी घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे अचानक से धरती फट गई हो और आसमान पूरा लाल हो गया हो? लोगों ने बताया कि घटनास्थल पर किसी का हाथ पड़ा था तो किसी की कटी हुई गर्दन? जलते मांस के टुकड़ों से आती गंध ने और ज्यादा मंजर डरावना कर दिया। कुछ मिनट तक लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है? दिल्ली सत्ता का केंद्र ही नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से प्रतीक भी माना जाता है।

बहरहाल, फिदायीन हमले की आशंका है जिसको मद्देनजर रखकर ही एनआईए और एनएसजी जांच में जुटी है। क्योंकि ऐसे हमलों की खुफिया जानकारियां उन्हें पूर्व से प्राप्त हैं। तकरीबन इस तरह के हमले विस्फोटक पदार्थों से ही किए जाते हैं जिसका पुलवामा कांड सबसे बड़ा उदाहरण है। इंटेलिजेंस को अगस्त से ही इनपुट मिल चुके थे कि जम्मू के रास्ते कुछ आतंकी देश में प्रवेश कर चुके हैं जो कहीं न कहीं बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। उन्हें डिटेन करने में तमाम खुफिया एजेंसी सक्रिय थीं। लेकिन सटीक जानकारियों का अभाव रहा। हालांकि, हथियार और आरडीएक्स को बरामद करने में सफलता जरूर मिली। पर, कौन से आतंकी संगठन शामिल हैं और उनका घटनाई मॉड्यूल क्या है? आदि की जानकारी से हाथ खाली रहा। मौजूदा

घटना के तह तक जाने की जरूरत है। देशवासियों को इसलिए बताना चाहिए, ताकि नागरिक खुद से भी सतर्क हो सकें। ऐसी घटनाओं पर समय रहते अगर प्रतिबंध नहीं हुआ, तो आतंकियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे। घटना में हरियाणा की एचआर-26, 7624 नंबर की आई-20 जो कार प्रयुक्त हुई है उसकी पहचान जांच एजेंसियों ने कर ली है। कार का मालिक फरीदाबाद निवासी कोई मोहम्मद सलमान नाम का है जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। कुछ महीने पहले उसने उस कार को सेकंड हैंड किसी से खरीदी थी।

निश्चित रूप कार के जरिए बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। कार का इसी साल सितंबर में गलत पार्किंग को लेकर फरीदाबाद में चालान भी कटा था। घटना के वक्त कार में तीन लोगों के होने की आशंका जताई गई, जो थे उनके चिधड़े उड़ चुके हैं। कार में वांछित डॉ. उमर मोहम्मद के होने की भी आशंका है, वहीं उमर जिसके घर से घटना के कुछ घंटों पहले हथियारों का जखीरा और आरडीएक्स बरामद हुआ था। कार से बरामद शव उस हालत में नहीं हैं जिनकी शिनाख्त की जाए, डीएनए जांच से ही उनकी पुष्टि हो सकेगी। घटना को लेकर कई तरह के सवाल उठ खड़े हुए हैं। जैसे, कि ब्लास्ट होने की भनक भारतीय खुफिया एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? घटना केंद्र सरकार और स्थानीय सरकार के बिल्कुल नाक के नीचे घटी। पुलिस को ब्लास्ट की सूचना 6 बजकर 52 मिनट पर मिली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-एक के बा-मुश्किल 20-25 मीटर दूरी पर लाल बत्ती पर एक स्लो मोशन कार आती है और ब्लास्ट हो जाता है। सीसीटीवी फुटेज में कार घटना के कुछ घंटे पहले पास के एक मस्जिद परिसर में खड़ी देखी गई। क्या प्लानिंग पहले से की गई थी या फिर आरडीएक्स के शेष हिस्से को ब्लास्ट के जरिए दफन करना था। हालांकि, घटना के बाद जांच चौकसी को बढ़ाते हुए कई राज्यों में हाई अलर्ट किया गया है। आईबी के पास सूचनाएं हैं कि ऐसी घटनाएं कुछ राज्यों में भी घट सकती हैं। इसलिए एहतियातन केंद्र सरकार ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अलर्ट जारी किया है। 2025 हादसों के लिए जाना जाएगा। कोई ऐसा महीना नहीं बीता, जब देश में कोई बड़ी घटना न घटी हो? कहीं भगदड़, तो कहीं कुदरती आपदाएं। झकझोर देने वाला पहलगाम हमला भी शामिल है। फिलहाल, दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृहमंत्रालय में आपातकालीन बैठक बुलाई जिसमें एनएसए चीफ अजीत डोभाल के अलावा सुरक्षातंत्र से जुड़े आलाधिकारी शामिल हुए। बैठकों का दौर जारी है। दिल्ली ब्लास्ट को लेकर गृह मंत्रालय में बैठक में सभी अधिकारियों को गृहमंत्री ने दिए निर्देश कि इस घटना में शामिल कोई दोषी नहीं बचना चाहिए।

सवाल उठता है कि सांप निकल जाने के बाद डंडा फटकारने का क्या तुक? घटना में 11 लोगों के मरने और 24 के घायल होने के आंकड़ों को प्रशासन ने जारी किया है। आंकड़े बढ़ सकते हैं। कब तक बेकसूर लोग अपनी जानें ब्लास्ट जैसी घटनाओं में देते रहेंगे? अमन-शांति के हुकूमती नारे धरातल पर कब उतरेंगे, कौनसी घड़ी आएगी जब ये सब होगा? ऐसे सवाल प्रत्येक भारतीयों के मन में उठने लगे हैं। फिलहाल, दिल्ली पुलिस सहारनपुर , फरीदाबाद और गुजरात के कनेक्शन की भी जांच कर रही है। बताया गया है कि दिल्ली ब्लास्ट में साजिश के मास्टरमाइंड डॉक्टर उमर की मौत हो गई है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर उमर की मां का डीएनए नमूना लिया, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके। श्रीनगर में एक अधिकारी ने कहा कि हमने विस्फोट स्थल पर मिले अवशेषों का मिलान करने के लिए भी डीएनए नमूना लिया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चुनाव प्रक्रिया
सोनम लववंशी

अंगुली की स्याही और लोकतंत्र की चेतना!

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यहां अंतिम निर्णय जनता करती है। सरकारें बनती हैं, गिरती हैं, और समय के साथ बदल भी जाती हैं, लेकिन मतदाता का निर्णय ही अंततः सर्वोपरि माना जाता है। इसलिए जब चुनाव प्रक्रिया, चुनाव आयोग या ईवीएम पर संदेह प्रकट किया जाता है, तो यह संदेह वस्तुतः जनता के विवेक और उसके निर्णय पर उठाया गया प्रश्न होता है। बीते एक दशक के राजनीतिक विमर्श में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखी है कि राजनीतिक पराजय का कारण आत्ममंथन से नहीं, बल्कि मशीनों और व्यवस्थाओं में खोजा जाने लगा है। यह प्रवृत्ति स्वस्थ लोकतंत्र की संस्कृति को क्षीण करती है, क्योंकि वह जनता को निर्णयकर्ता नहीं, किसी अदृश्य षड्यंत्र की शिकार भीड़ के रूप में प्रस्तुत करती है। राहुल गांधी की हालिया राजनीतिक रणनीति इसी दिशा में आगे बढ़ती दिखाई देती है। वे समाज में 90 फीसदी बनाम 10 फीसदी की रेखा खींचते हैं, और यह रेखा केवल सांख्यिकीय नहीं भावनात्मक विभाजन की है। उनका यह कहना कि भारत की 90 फीसदी आबादी ओबीसी, एससी-एसटी है और सत्ता केवल कुछ 'सवर्ण वर्ग' के पास है, सुनने में आकर्षक नारा तो हो सकता है, लेकिन यह सामाजिक संरचना की जटिलताओं को जानबूझकर सरलीकृत करता है। यह आंकड़ों और इतिहास की अनदेखी करके वर्गीय द्वेष को वैचारिक रूप देने का प्रयास है और यही इसकी खतरनाक प्रकृति है। दरअसल सत्ता का संघर्ष लोकतंत्र में स्वाभाविक है, पर जब संघर्ष को जाति-विभाजन के ईंधन से चलाया जाए, तो वह राजनीति नहीं, विस्फोटक वातावरण पैदा करने की रणनीति बन जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर माइक्रोफ़ोन पर 'नकली ओबीसी' जैसी टिप्पणी केवल एक व्यक्ति पर व्यक्तिगत आक्षेप नहीं है, यह उस समुदाय के सामाजिक आत्मसम्मान को भी हल्का दिखाने की चेष्टा है, जो वर्षों से अपनी पहचान और अधिकार की गरिमा स्थापित करने में लगा है। एक राजनीतिक विचारधारा और नेतृत्व की आलोचना की जा सकती है, की जानी भी चाहिए, परंतु समुदायों को परस्पर संदेह और प्रतिस्पर्धा में खड़ा करने वाले वाक्य लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करते हैं और यही रणनीति संस्थाओं के प्रति अविश्वास फैलाने में भी दिखाई देती है। ईवीएम को 'भाजपा की मशीन' कहना, न्यायपालिका को दबाव में बताना और सेना को सरकार की कठपुतली कहना ये बयान राजनीतिक तर्क नहीं, ये संदेह को सामान्य बनाने का प्रयास हैं। हाल ही में राहुल गांधी द्वारा 'जेन-जी' को संबोधित कर यह कहना कि "तुम्हारा भविष्य तुमसे छीना जा रहा है"। महज भावनात्मक अपील नहीं है। यह बयान ठीक उस समय आया, जब नेपाल और बांग्लादेश में युवाओं के नेतृत्व में व्यापक अस्थिरता पैदा हुई थी। यह समानता संयोग नहीं, रणनीति की निरंतरता को संकेत करती है। युवा ऊर्जा को विरोध में मोड़कर सत्ता परिवर्तन को भावनात्मक धर्मयुद्ध के रूप में पेश करना। राजनीति का यह तरीका अनुभव की कमी वाले युवाओं को शीघ्र ही यह विश्वास दिला देता है कि उनके सभी संकट किसी व्यवस्था की ओर से थोपे गए हैं और उनका समाधान टकराव में है। यह लोकतांत्रिक संवाद का मार्ग नहीं, अव्यवस्था के बीज बोने का मार्ग है। ऐसे में जहां तक चुनाव परिणामों पर उठाए जा रहे प्रश्नों का सवाल है, वहां राहुल गांधी की तर्कपद्धति चयनात्मक दिखाई देती है। वे कहते हैं कि हरियाणा में कांग्रेस 22,779 वोटों के कुल अंतर से आठ सीटों पर हार गई। पर वे यह नहीं बताते कि उन्हीं कम मार्जिन वाली सीटों में कांग्रेस अधिक सीटें जीत भी गई। तब न चुनाव आयोग पर संदेह हुआ, न ईवीएम पर। क्योंकि तब विजय थी, और विजय को हमेशा 'जनता का निर्णय' कहा जाता है। पराजय के समय यही निर्णय "भ्रम" या 'साजिश' कह देना राजनीतिक परिपक्वता नहीं, आत्म-चिंतन से बचने का तरीका है। कुल-मिलाकर देखें तो सच यही है कि लोकतंत्र की परिपक्वता इस बात में है कि हारने वाला पक्ष भी कह सके कि, 'जनता ने यह निर्णय दिया है, हमें इससे सीखना होगा।' लोकतंत्र की कमजोरी वहीं से शुरू होती है जहां कोई यह कहने लगे, "निर्णय गलत था, जनता भ्रमित थी।" यह मानसिकता जनता को सम्मान नहीं, बल्कि संदेह की दृष्टि से देखती है। अंततः, आज भारत में संकट न तो चुनाव आयोग में है, न ईवीएम में, न चुनावी प्रक्रिया में। संकट एक सोच में है जनादेश को स्वीकार न करने की सोच में। यह लोकतंत्र के उस मूल स्तंभ को चुनौती देता है जिस पर पूरी व्यवस्था टिकी है और वह है, जनता की अंतिम निर्णायकता। लोकतंत्र मशीनें नहीं, जनता के विश्वास पर चलता है और राहुल गांधी सरीखे नेता को यह मानना होगा।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गुणों के विकास से आध्यात्मिक स्वास्थ्य संभव

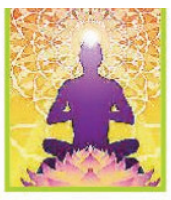

संकलित
दर्शन

हमारे पास एक शरीर है, हमें उसका पोषण करना है और जब वह रोगग्रस्त हो जाता है, तब हमें उसकी देखभाल करनी है। हमें उसके आरोग्य का उपाय ढूंढ़ना है और जीवन के भौतिक पक्ष से जुड़े सभी विषयों पर ध्यान देना है, परंतु बात यह है कि प्रायः मानव जाति केवल यहीं पर रुक जाती है। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे अस्तित्व का एक मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और उच्चतर आध्यात्मिक आयाम भी है। इसलिए सफलता का उनका (परमहंसजी का) मार्ग था उचित संतुलन को प्राप्त करना। वहां, जहां आप भौतिक सफलता और समृद्धि प्राप्त करते हैं। जहां आपके पास भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति होती है। आध्यात्मिक रूप से आपके पास एक उच्चतर उद्देश्य के लिए अपने जीवन को संचालित करने का ज्ञान होता है, न केवल धन एकत्र करना और परिवार व संतानों की उपलब्धि, अपितु यह अनुभव करने का एक उच्चतर उद्देश्य कि मैं ईश्वर का एक स्फुलिंग हूं, मैं इस भौतिक शरीर में निवास करने वाला आत्मा हूं और अपने जीवन के सभी पक्षों में ईश्वर के पूर्ण साक्षात्कार और अभिव्यक्ति की प्राप्ति ही मेरा अंतिम उद्देश्य है। एक बार जब आप यह धारणा बना लेते हैं, तो जीवन अत्यंत रोमांचक हो जाता है, क्योंकि सब प्रकार के कौशल, क्षमताएं और योग्यताएं आपके लिए उपलब्ध हैं। ये प्रत्येक मनुष्य की अक्षय निधि का अंग हैं, परंतु वे तब तक पूर्ण रूप से निष्क्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें सचेतन एकाग्रता और सचेतन प्रयास के द्वारा जाग्रत नहीं किया जाता है।

मन की शांति कैसे प्राप्त करें?

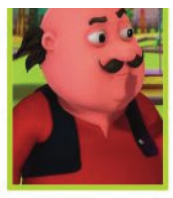

संकलित
प्रेरणा

सेठ अमीरचंद को हर पल कोई न कोई चिंता परेशान किये रहती थी। एक दिन वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसकी नजर एक आश्रम पर पड़ी। वहाँ उसे किसी साधु के प्रवचनों की आवाज सुनाई दी। उस आवाज से प्रभावित होकर अमीरचंद आश्रम के अन्दर गया और बैठ गया। प्रवचन समाप्त होने पर सभी व्यक्ति अपने अपने घर को चले गये। लेकिन वह वही बैठा रहा। उसे देखकर संत बोलेः कहो, तुम्हारे मन में क्या जिज्ञासा है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। इस पर अमीरचंद बोलाः बाबा, मेरे जीवन में शांति नहीं है। यह सुनकर संत बोलेः घबराओ नहीं तुम्हारे मन की सारी अशांति अभी दूर हो जायेगी। संत की बात सुनकर ज्यों ही अमीरचंद ध्यान की मुद्रा में बैठा त्यों ही उसके मन में इधर-उधर की बातें घूमने लगीं और उसका ध्यान उचट गया। सेठ बोलाः चलो, जरा आश्रम का एक चक्कर लगाते हैं। इसके बाद वे आश्रम में घूमने लगे। अमीर चंद ने एक सुंदर वृक्ष देखा तथा उसे हाथ से छुआ। हाथ लगाते ही उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया और सेठ। बुरी तरह चिल्लाने लगे। यह देखकर संत वापस अपनी कुटिया में आए। कटे हुए हिस्से पर लेप लगाया। कुछ देर बाद वह सेठ से बोलेः तुम्हारे हाथ में जरा-सा कांटा चुभा तो तुम बेहाल हो गए। सोचो कि जब तम्हारे अन्दर ईर्ष्या, क्रोध व लोभ जैसे बड़े-बड़े कांटे छिपे हैं, तो तुम्हारा मन भला शांत कैसे हो सकता है ? संत की बात से सेठ अमीरचंद को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह संतुष्ट होकर वहां से चला गया।

अंतर्मन

आज की पाती

कम करना होगा प्लास्टिक का उपयोग

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर के गार्बेज कैफे का जिक्र किया। वर्ष 2019 में खोला गया यह देश का पहला गार्बेज कैफे था। अंबिकापुर नगर निगम ने प्लास्टिक वेस्ट के दुष्प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से यह अनोखी पहल की थी। इस कैफे की खासियत यह है कि यहां प्लास्टिक कचरे के बदले भरपेट खाना और नाश्ता मिलता है। एक किलो प्लास्टिक देने पर पूरा खाना और आधा किलो प्लास्टिक देने पर नाश्ता दिया जाता है। अंबिकापुर ने गार्बेज कैफे जैसे नवाचार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में एक मिसाल कायम की है। इस पहल से शहर में प्लास्टिक वेस्ट की मात्रा वर्ष दर वर्ष घटती जा रही है। एक बार फिर प्लास्टिक कचरा बातचीत का केंद्र बन गया है।

- अमित पटेल, सरगुजा

ट्रेंड

दिल्ली हादसे से मन व्यथित

दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित किया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं आश्वस्त करता हूं कि हमारी जांच एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जाएगा।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आधुनिक तकनीक

रक्षा क्षमता विकास के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग केवल हमारे शस्त्रागार को उन्नत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति हमारे संपूर्ण दृष्टिकोण को बदलने के बारे में है।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

हमारे लिए राष्ट्र प्रथम

कुछ लोग है, रहेंगे हिंदुस्तान में, खाएंगे हिंदुस्तान में, लेकिन 'वंदे मातरम' नहीं गाएंगे, हम उनकी मंशा को समझें...जो 'वंदे मातरम' का विरोध कर रहे है, वे भारत माता का विरोध कर रहे हैं। हम जिएंगे तो देश के लिए, मरेंगे तो देश के लिए और कुछ भी योगदान देंगे तो राष्ट्र प्रथम होगा।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

दिल्ली हादसा दुर्भाग्यपूर्ण

दिल्ली में ब्लास्ट एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। ऐसे तत्व, जो लोगों के दिमाग में जहर घोलकर उन्हें इस तरह की हरकतें करने के लिए उकसाते हैं, उन्हें अलग-थलग कर दिया जाना चाहिए और उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

-श्री श्री रविशंकर, आध्यात्मिक गुरु

करंट अफेयर

सीनेट ने 'शटडाउन' समाप्त करने विधेयक को दी मंजूरी

अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने सरकारी 'शटडाउन' (सरकारी कामकाज के लिए वित्तपोषण की कमी) समाप्त करने के लिए सोमवार को विधेयक पारित कर दिया और इसी के साथ इतिहास का सबसे लंबा 'शटडाउन' खत्म होने के करीब पहुंच गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक छोटे समूह ने अपनी पार्टी के भीतर तीखी आलोचना के बावजूद रिपब्लिकन के साथ एक समझौते की पुष्टि की जिसकी मदद से यह विधेयक पारित हुआ। पिछले 41 दिन से जारी शटडाउन कुछ और दिन जारी रह सकता है क्योंकि संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा के सदस्य सितंबर के मध्य से अवकाश पर हैं। वे विधेयक पर मतदान करने के लिए वाशिंगटन लौटेंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विधेयक के प्रति समर्थन का संकेत देते हुए सोमवार को कहा, 'हम जल्द ही शटडाउन समाप्त करेंगे।' दरअसल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक समूह ने स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के विस्तार की गारंटी के बिना चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की जिससे उनके 'कॉकस' के कई सदस्य नाराज हो गए। इस 'कॉकस' का कहना है कि अमेरिकी लोग चाहते हैं कि सब्सिडी को लेकर लड़ाई जारी रखी जाए।

ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है : कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी- बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है-भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

सूचना

अंबिकापुर स्थित ठेकेदारी फर्म मेसर्स बीएम बिल्डकान ने अपने भागीदारी ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुऐ 01 अप्रैल 2025 से प्रभावी एक नया भागीदारी, अनुबंध. संपादित किया है।

यह फर्म 12 सितंबर 2018 को अस्तित्व में आई थी, जिसमें प्रारंभिक रूप से भइया लाल यादव मनोज कुमार यादव एवं प्रकाश चन्द्र राय भागीदार थे समय के साथ, श्री प्रकाश चन्द्र राय को व्यगित करणों से फर्म से सेवानिवृति ले ली।

फर्म में भइया लाल यादव एवं 2. मनोज कुमार यादव है

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०मा०क्र०- /ब- 121/2024-25

ग्राम कन्दीकला प०ह०नं० उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम कुन्दीकला प०ह०नं०- उप तहसील बरियो जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुसमा चक्रधारी आ०/पति रामवृक्ष जाति कुम्हार निवासी ग्राम कुम्दीकला तहसील- राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा के पिता रामवृक्ष आ० रूपन का मृत्यु दिनांक 12.05.1970 को ग्राम कुन्दीकला घर में हुई किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण यन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश।उपरोक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध कार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक 24/07/2025 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि त्रात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अतः आज दिनांक-14/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक डण्डाधिकारी बरियों
जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

पीएम मोदी ने कालचक्र अभिषेक समारोह का किया उद्घाटन

खुद को बताया सौभाग्यशाली, भारत-भूटान संबंधों को मजबूती देने के प्रयासों को सराहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 2 दिनी भूटान दौरे के दूसरे दिन बुधवार को कालचक्र अभिषेक का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने खुद को सौभाग्यशाली बताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उद्घाटन कार्यक्रम की तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में पीएम मोदी भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, चतुर्थ नरेश के साथ नजर आए। उन्होंने लिखा कि भूटान के राजा महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और महामहिम चतुर्थ नरेश के साथ कालचक्र 'समय का चक्र' अभिषेक का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसकी अध्यक्षता परम पावन जे खेंपो ने की, जिसने इसे और भी विशेष बना दिया।उन्होंने लिखा कि यह दुनिया भर के बौद्धों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है जिसका सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है। कालचक्र अभिषेक चल रहे वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव का एक हिस्सा है, जिसने बौद्ध धर्म के भक्तों और विद्वानों को भूटान में एक साथ लाया है।

पीएम मोदी ने एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीर पोस्ट की ▶ यह दुनिया भर के बौद्धों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान

'कालचक्र अभिषेक' समारोह के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के साथ

भूटान के प्रधानमंत्री तोबगे ने 'एक्स' पर लिखा यह संदेश

भूटान के प्रधानमंत्री छेरिंग तोबगे ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पवित्र कालचक्र अभिषेक का उद्घाटन और आशीर्वाद दिया, जो आज चल रहे वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के एक भाग के रूप में शुरू हुआ।

भूटान के चौथे नरेश जिग्मे से की थी मुलाकात

इससे पहले पीएम मोदी ने थिम्पू में भूटान के चौथे नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से मुलाकात की थी। उन्होंने मुलाकात की तस्वीर 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया कि चतुर्थ नरेश के साथ एक अच्छी बैठक हुई।

कई क्षेत्रों में मदद करेंगे

भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में उनके व्यापक प्रयासों की सराहना की। ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी में सहयोग पर चर्चा हुई। गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना की प्रगति की सराहना की, जो हमारी एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है।

चौथे नरेश ने आधुनिकीकरण और एकता को मजबूत किया

जिग्मे सिंग्ये वांगचुक ने भूटान के चौथे नरेश के रूप में कार्य किया। उनका शासनकाल 1972 से 2006 तक चला और उन्हें भूटान के सबसे दूरदर्शी और प्रिय राजाओं में से एक माना जाता है। उनके नेतृत्व में, भूटान का आधुनिकीकरण हुआ, राष्ट्रीय एकता मजबूत हुई और एक अद्वितीय सुख-आधारित दर्शन अपनाया गया जिसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली।

सीतारमण ने की प्रतिनिधियों से मुलाकात

अधिकारियों संग बजट के इनपुट के लिए चर्चा की

एमएसएमई के प्रतिनिधियों के साथ वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को तीसरी प्री-बजट बैठक की अध्यक्षता की और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रतिनिधियों के साथ आगामी बजट के इनपुट के लिए चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक आने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर थी। वित्त मंत्री मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि वित्त मंत्री सीतारमण ने आने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रतिनिधियों के साथ तीसरी प्री-बजट बैठक की नई दिल्ली में अध्यक्षता की। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। प्री-बजट चर्चा के तहत सरकार आने वाले बजट के इनपुट के लिए इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों और अन्य पक्षकारों के साथ लगातार बैठक कर रही है। इससे पहले वित्त मंत्री ने किसान संगठनों और कृषि सेक्टर से जुड़े अर्थशास्त्रियों के साथ प्री-बजट बैठक की थी।

विकास और सुधार में तेजी पर दिया बल

एसोवैम की रिपोर्ट के अनुसार सभी राज्यों में एमएसएमई के लिए निवेश माहौल सुधारने में डिजिटलाइजड और समयबद्ध सिंगल विंडो क्लियरेंज सिस्टम एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। रिपोर्ट में व्यावसायिक नियमों को सरल बनाने, अनुमोदन प्रणालियों में सुधार लाने और भारत के एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुधारों में तेजी लाने की आवश्यकता जताई गई है। रिपोर्ट में कंपनी अधिनियम के तहत अनुपालन को आसान बनाने के लिए पंजीकृत एमएसएमई के लिए द्विवार्षिक या त्रैवार्षिक फाइलिंग साइकिल शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है।

अर्थशास्त्रियों के साथ कर चुकीं बैठक

इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए देश के बड़े अर्थशास्त्रियों के साथ पहली प्री-बजट बैठक की थी। इस बैठक में मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन के साथ आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) से कई वरिष्ठ अधिकारी और कई अर्थशास्त्री शामिल हुए।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से युवा उत्साहित

रोजगार की चाह रखने वाले युवा सामने आए, 57 हजार से ज्यादा जुड़े

देहरादून। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून की ओर से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, जन-जागरुकता और हितधारकों के साथ संवाद को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में नियोक्ताओं ने भाग लिया और योजना को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। ईपीएफओ के क्षेत्रीय कार्यालय समागार में योजित सेमिनार का उद्घाटन एसके संगमा, अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (मुख्यालय), दिल्ली एवं उत्तराखंड ने किया। उन्होंने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की रूपरेखा, उद्देश्यों और प्रोत्साहन तंत्र की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह योजना देश में नए रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने और युवाओं को औपचारिक रोजगार क्षेत्र से जोड़ने की दिशा में अहम पहल है। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलेगी।

कार्यालय ने दी विस्तृत जानकारी

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून की ओर से एक विस्तृत वीडियो प्रस्तुति और पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया, जिसमें योजना की पृष्ठभूमि, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, लाभ की शर्तें, पोर्टल पर पंजीकरण की विधि आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई।

14,538 नए और 43,271 पुनः जुड़े सदस्य

देहरादून क्षेत्र में अब तक 1,163 प्रतिष्ठान इस योजना से जुड़ चुके हैं, जिनमें 14,538 नए सदस्य (पहली बार) और 43,271 पुनः जुड़ने वाले सदस्य शामिल हैं। विश्वजीत सागर, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-एक ने योजना के तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं को सरल भाषा में समझाया।

एलएसी विवाद के बाद सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों में वायुसेना की क्षमता होगी मजबूती

चीन की सीमा के करीब न्योमा एयरबेस बनकर तैयार, गरजेंगे राफेल-सुखोई

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने समुद्रतल से 13 हजार 700 फीट की ऊंचाई और एलएसी से महज 30 किलोमीटर की दूरी पर न्योमा एयरबेस को पूरी तरह से ऑपरेशनल कर दिया है। जिसके बाद अब वो दिन दूर नहीं जब यहां से बल के राफेल, सुखोई और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों के साथ ही विशालकाय परिवहन विमानों और हेलिकॉप्टरों की प्रचंड अंदाज में हवाई गर्जना सुनाई देगी। सूत्रों ने बताया कि न्योमा से आवश्यकता पड़ने पर वायुसेना अपने त्वरित, विशेष अभियानों और सीमाई निगरानी के कार्य को भी बखूबी अंजाम दे सकेगी। जानकारों का मानना है कि न्योमा की मदद से भारत को चीन, पाकिस्तान से दो मोर्चों पर मिलने वाली युद्ध की चुनौती के मामले में भी रणनीतिक बढ़त मिलेगी।

लद्दाख में न्योमा को मिलाकर वायुसेना के वर्तमान में चार एयरबेस हो गए हैं। इसके अलावा लेह, कारगिल और थॉइस में पहले से बल के हवाई ठिकाने मौजूद हैं। जबकि दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) में वायुसेना के पास एक कच्चा रनवे पहले से है। जहां से विशेष अभियानों के दौरान वायुसेना के विमानों को लैंडिंग की सुविधा मिल जाती है।

फाइल फोटो : वायुसेना के एयरबेस पर उड़ान भरता भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई

वायुसेना के परिवहन विमानों का संचालन शुरू

न्योमा का इतिहास में संबंध वर्ष 1962 के युद्ध से रहा है। जिसके बाद यह हवाई पट्टी पूरी तरह से निष्क्रिय अवस्था में थी। लेकिन बाद में कांग्रेस की अगुवाई वाली तत्कालीन संप्रग सरकार ने वर्ष 2009 में इसे पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया। जिसके बाद से यहां से वायुसेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और एएन-32 जैसे परिवहन विमानों का संचालन शुरू किया गया।

बीआरओ ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

चीन के साथ एलएसी विवाद के ठीक अगले साल 2021 में केंद्र सरकार ने संगठन को हिमांक परियोजना के तहत इसका 2025 के अंत तक कायाकल्प करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। माइनस 30 डिग्री तापमान वाली ठंड जैसी जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने समय से पूरा किया है। पूर्व में एक कच्चे रनवे वाले लैंडिंग ग्राउंड के नाम से विख्यात न्योमा एयरबेस पर लगभग 2.7 किलोमीटर लंबे पक्के रनवे को बनाने का 95 फीसदी काम बीआरओ ने पिछले साल अक्टूबर महीने तक पूरा कर लिया था।

चुशुल एएलजी पर भी उतरेंगे विमान

रक्षा मंत्रालय सरहदी इलाके में मौजूद एक अन्य एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) चुशुल को भी दोबारा से सक्रिय करने की योजना बना रहा है। भावी योजना के मुताबिक, चुशुल से मानवरहित विमानों (यूएवी) और हेलिकॉप्टरों के संचालन के लिए पुनर्जीवित किया जा रहा है। इस एएलजी के रणनीतिक महत्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसकी दूरी एलएसी से महज 4 किलोमीटर है। यानी आपात परिस्थिति के बीच चुशुल की मदद से सैनिकों की तैनाती, जरूरी रसद की सप्लाई और अन्य सैन्य साजो-सामान की आसानी से आपूर्ति की जा सकेगी।

सदस्यता सूची का प्रथम प्रकाशन की सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सोसाइटी के बोर्ड के सदस्यों का निर्वाचन विशेष साधारण सभा में सम्पन्न होना है। अतएवं महामाया मत्स्य सहकारी समिति मर्या० डौरा की सदस्यता सूची का प्रकाशन सोसाइटी कार्यालय, उप रजिस्ट्रार सहकारी सोसाइटी बलरामपुर, जनपद पंचायत बलरामपुर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा बलरामपुर के सूचना पटल पर दिनांक 12/11/2025 को किया गया है। यदि किसी भी सदस्य को इस पर कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 13/11/2025 से 19/11/2025 तक संस्था कार्यालय डौरा में सप्रमाण मुझे, प्राधिकृत अधिकारी या समिति सचिव को लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण सोसाइटी कार्यालय में दिनांक 20/11/2025 को 12:00 बजे से किया जावेगा।

एन० के० पैकरा
रजिस्ट्रीकण अधिकारी महामाया
मत्स्य सहकारी समिति मर्या० डौरा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०

:: ईश्तहार ::

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुन्ती आ०.स्व. सहदेव राम निवासी कमलपुर थाना जयनगर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने सगी बहन स्व. शिव कुवर आ० स्व सहदेव राम की दिनांक 30/10/2017 को स्थान बन ?वारी साहु के मकान मे नवापारा में हुई है

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 03/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक प्रहलाद कुमार गुप्ता आ० रामबली गुप्ता आयु 56 वर्ष निवासी महामाया चौक सदर रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर-10 मोहल्ला अस्पताल रोड नगर अम्बिकापुर, स्थित नूजल प्लाट नम्बर 4183/3, 4183/4861/2 रकबा कमशः 1597.6, 507.4 वर्गफीट भूमि एवं मकान को बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-28/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम कमलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री किशोरी सरदार पिता उपेन्द्र सरदार, जाति नमोशुद्र निवासी ग्राम कमलपुर तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कमलपुर, प.ह.नं. 22, रा.नि.मं. पिलखा, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 125/3 रकबा 0.20 हे. मे से 0.04 हे. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 26/11/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात्प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 12/11/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि
व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक शैलेन्द्र गुप्ता आ० रामबली गुप्ता आयु 53 वर्ष निवासी महामाया चौक सदर रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर 10 मोहल्ला अस्पताल रोड नगर अम्बिकापुर, स्थित नूजल प्लाट नम्बर 4183/5 रकबा 2105 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आप्रत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-28/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार/कार्यपालिक दंडाधिकारी रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छग)

//ईस्तहार//

रा.प्र.क्रमांक इ/ 12/24-25

आम जनता ग्रामवासी ग्राम द्वारिकापुर को सूचित किया जाता है कि श्री हरिनंदन सिंह आ.श्री मोहर साय जाति गोंड़ निवासी द्वारिकापुर थाना रामानुजनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छग द्वारा अपने बाबा धीर साय आ. बहादुर का मृत्यु दिनांक 07-08-2009 सात अगस्त दो हजार नौ के होने से अपने बाबा धीर साय आ बहादुर का मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है,जिस पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।जिस किसी आम जनता ग्रामवासीयों को कोई आपत्ति/आक्षेप हो तो वह अपना आपत्ति दिनांक 25/11/25 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है,नियत तिथि के पस्चात कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं कार्रवाई कर दी जावेगी।आज दिनांक 28/10/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया है।

तहसीलदार कार्यपालिक/ दंडाधिकारी
रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छग)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-../ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक तेजपाल गर्ग आ० स्व० भगवान दास अग्रवाल निवासी राममंदिर रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०म० के द्वारा शीट नम्बर-11क मोहल्ला राममंदिर मैदान नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 3196/4813/30 रकबा 0.03,1/2 एकड भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 82.84 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 98.502 वर्गमीटर, पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 26/11/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2024-25

ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सरदार हरपाल सिंह पिता तेजपाल सिंह बाबरा जाति सिक्ख निवासी नमनाकला अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 3 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1163/27 रकबा 440 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/केता पन्नालाल सोनी पिता स्व० राजमणी सोनी जाति सोनार निवासी गुदरी बाजार अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०) रा०प्र०क्र०-20,25/11021700021-13अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पुरन आ. स्व. गजाधर राम, निवासी ग्राम बकनाखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम बकनाखुर्द स्थित भूमि कुल खसरा न० 18 कुल रकबा 3.547 हे० भूमि का अनावेदक परमेश्वर आ० सुधराम व अन्य, निवासी ग्राम बकनाखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। 05/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र० क्र०//अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक दीपक गुप्ता आ० रामबली गुप्ता आयु 51 वर्ष निवासी महामाया चौक सदर रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर-10 मोहल्ला अस्पताल रोड नगर अम्बिकापुर, स्थित नूजल प्लाट नम्बर 4183/4861/8 रकबा 2106.2 वर्गफीट भूमि को बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-28/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

दो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ रही जॉली एलएलबी-3

नई दिल्ली। अक्षय कुमार और अरशद वारसी की सुपरहिट फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों और आलोचकों ने खूब पसंद किया। बॉक्स ऑफिस पर भी 'जॉली एलएलबी 3' ने शानदार कमाई की. दुनिया भर में इस फिल्म ने 162.88 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार किया, जबकि भारत में इसका कलेक्शन 115.85 करोड़ रुपए रहा। अब जो लोग थिएटर में फिल्म नहीं देख पाए, उनके लिए खुशखबरी है। 'जॉली एलएलबी 3' जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने जा रही है। यह फिल्म एक नहीं, बल्कि दो प्लेटफॉर्म्स नेटफ्लिक्स और जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

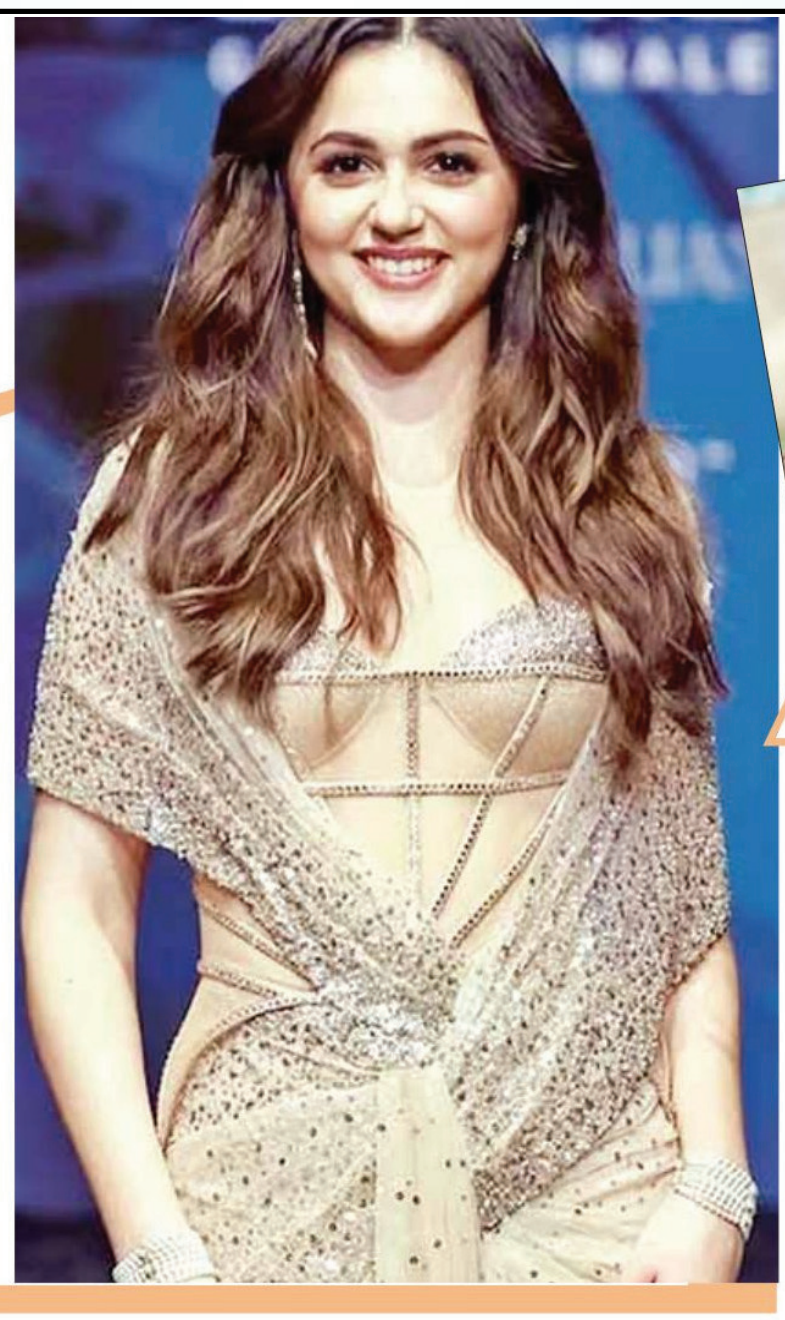

लाइफ Style

अनीत

एग्जाम के बाद शुरू करेंगी शक्ति शालिनी की शूटिंग

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वाईआरएफ के बाद अनीत मैडॉक फिल्म्स की अगली फिल्म में अपना जादू चलाने जा रही हैं, जो एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस साल सिनेमाघरों में धूम मचा चुकी लव-स्टोरी फिल्म 'सैयारा' की एक्ट्रेस अनीत पड्डा अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुटने जा रही हैं। हालांकि, इस फिल्म की शूटिंग से पहले अनीत पड्डा अपने कॉलेज के फाइनल ईयर के एग्जाम देने जा रही हैं। 'सैयारा' की सक्सेस के बाद से ही फिल्म के लीड एक्टर्स अहान पांडे और अनीत पड्डा ने सफलता की वो बुलंदियां छू ली हैं, जिसे पाने के लिए बड़े-बड़े सितारों को काफी पापड़ बेलने पड़े हैं। अहान अपनी अगली फिल्म में निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ काम करने जा रहे हैं जो एक्शन और रोमांस से भरपूर होनेवाली है। वहीं, अनीत पड्डा अब एक हॉरर कॉमिडी फिल्म में कदम रखने जा रही हैं। अनीत जल्द ही एक आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'शक्ति शालिनी' में दिखने जा रही हैं जिसकी कहानी एक रहस्यमय देवी पर बेस्ड है, जो बुरी आत्माओं से लोगों की रक्षा करती है। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल में हैं और यह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। 'भारत की जेन जी स्टार अनीत दिसंबर–जनवरी में अपने फाइनल-ईयर की परीक्षाएं देंगी।

लव-स्टोरी फिल्म 'सैयारा' की एक्ट्रेस अनीत पड्डा अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इससे पहले अनीत कॉलेज के फाइनल ईयर की परीक्षाएं देंगी और इसके बाद वो शूटिंग शुरू करेंगी।

हॉलीवुड मसाला

प्रियंका ने 12 साल बाद गाया गाना

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा ने 12 साल बाद सिंगिंग में कमबैक किया है, लेकिन अफसोस कि इस बार उनकी तारीफ से अधिक आलोचना हो रही है। एक्ट्रेस ने वॉम के क्लासिक 'लास्ट क्रिसमस' गाने का देसी वर्जन गाया है, जिसे सुन लोग इसे 'भयंकर ऑटोट्यून' और 'एकदम अजीब' बता रहे हैं। बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा सिर्फ ग्लोबल एक्ट्रेस ही नहीं, सिंगर भी हैं। साल 2012 और 2013 में उन्होंने दो सिंगल सॉन्ग्स रिलीज किए थे। दोनों को फैंस ने खूब पसंद भी किया था।

माइकल के टीजर ट्रेलर को मिले रेकॉर्ड तोड़ व्यूज

लॉस एंजिल्स। 'इनविंसिबल' सिंगर माइकल जैक्सन की बायोपिक 'माइकल' के टीजर ट्रेलर ने रेकॉर्ड बेक कर दिया है। अपने गानों से म्यूजिक की दुनिया और फैंस के दिलों पर राज करने वाले माइकल ने महज 50 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी बायोपिक में भतीजे जाफर जैक्सन ने उनकी भूमिका निभाई है। आपको जानकर हैरानी होगी कि फिल्म के वीडियो को 24 घंटे में ही 116 मिलियन व्यूज के साथ रेकॉर्ड तोड़ दिया है। 'माइकल' बायोपिक में 'किंग ऑफ पॉप' की जिंदगी को करीब से देखने का मौका मिलेगा। इसका निर्देशन एंटोनी फुक्वा ने किया है। ये साल 2026 में रिलीज के लिए तैयार है। 'माइकल' के टीजर ट्रेलर ने म्यूजिकल बायोपिक की शुरुआती फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है और पिछले टॉप चार्ट के आधे से भी ज्यादा ट्रैफिक हासिल किए हैं।

दिखेगी सदियों पुरानी कबूतरबाजी परंपरा

मुंबई। महेश भट्ट की बेटी और निर्माता-निर्देशक पूजा भट्ट फिल्मों में फिर से वापसी कर रही हैं। उन्होंने सोमवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की कास्ट का जिक्र किया है। यह फिल्म भारत की पारंपरिक कबूतरबाजी प्रथा पर आधारित होगी। इस फिल्म में उनके साथ 'पंचायत' सीरीज के एक्टर नजर आएंगे। पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर जितेंद्र कुमार के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की और लिखा, 'दो दमदार कलाकार। एक गहरा कहानी। अपनी अगली फिल्म की घोषणा करते हुए बेहद खुश हूं। यह भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी परंपरा, कबूतरबाजी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी है।' पूजा भट्ट की इस फिल्म में उनके साथ 'पंचायत' सीरीज के जितेंद्र कुमार नजर आएंगे। इस फिल्म में पूजा भट्ट मां की भूमिका में नजर आएंगी।

सुनील के लाडले मराठी एक्ट्रेस को रहे डेट

नई दिल्ली। सुनील शेट्टी के लाडले अहान शेट्टी ने साल 2021 में फिल्म 'तड़प' से एक्टिंग डेब्यू किया था और वो जल्द ही पिता की फिल्म बॉर्डर के सीक्वल में नजर आने वाले हैं। अहान शेट्टी 'बॉर्डर 2' में अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इन सबके बीच इन दिनों ये स्टारकिड अपनी डेटिंग लाइफ की वजह से सुर्खियों में छाए हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सुनील शेट्टी के लाडले अहान शेट्टी इन दिनों मराठी एक्ट्रेस जिया शंकर का डेट कर रहे हैं। हालांकि, कपल अभी तक अपने रिश्ते का ऑफिशियल नहीं करना चाहता था। वो दोनों अपने रिश्ते के शुरुआती दौर में हैं और अभी चीजों को प्राइवेट रखना चाहते हैं। लेकिन जिया कई मौकों पर इस बात को स्वीकार कर चुकी हैं कि उनका एक बॉयफ्रेंड है। जिया शंकर ने भले ही अभी तक अपने बॉयफ्रेंड के नाम का खुलासा नहीं किया है।

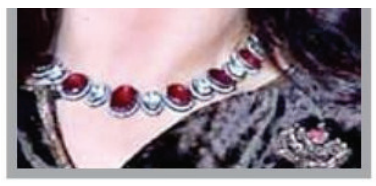

टीवी मसाला

अभिषेक के बाहर होते ही शहबाज ने अशनूर पर साधा निशाना...

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 में हर दिन एक नया ड्रामा और एक नया समीकरण देखने को मिलता है। अभी अभिषेक बजाज और नीलम गिरी बाहर हुए ही थे कि अब घर के अंदर फिर से उन कंटेस्टेंट के बारे में चर्चा शुरू हो गई है, जो इस घर में रहना डिजर्व नहीं करते। यह चर्चा शुरू हुई शहबाज बादेशा और गौरव खन्ना के बीच। शहबाज ने जीके से पूछा, आपको क्या लगता है कौन इस घर में रहना डिजर्व नहीं करता। इस पर गौरव खन्ना कहते हैं, वही जो तुम्हें लगते हैं। फिर शहबाज क्लियर करते हैं तुम्हारा मतलब है मालती? इस पर फिर जीके हां में गर्दन हिलाते हैं। गौरव से यह सहमति मिलने के बाद शहबाज कहते हैं, मुझे लगता है कि अशनूर भी डिजर्विंग नहीं है। इस पर जीके कहते हैं, प्रणीत को लगता है कि अशनूर डिजर्विंगग है। लेकिन, जब शहबाज उनकी राय जानने पर जोर देते हैं तो जीके के दिल की बात सामने आती है और वह कहते हैं, ईमानदारी से बताऊं तो मुझे लगता है कि अशनूर से ज्यादा डिजर्विंग बजाज था। बता दें कि बॉटम-3 में अभिषेक बजाज, अशनूर कौर और नीमल गिरी थे। बिग बॉस ने प्रणीत मोरे को ये पावर दी कि वह किस एक सदस्य को बचाना चाहेंगे। इस पर प्रणीत ने अशनूर का नाम लिया और इस अनाउंसमेंट के बाद अगली अनाउंसमेंट यह थी कि अभिषेक बजाज और नीलम गिरी घर से बाहर हो रहे हैं। अभिषेक के एविक्शन के खबर पर अशनूर बुरी तरह रोती नजर आईं. उनका रोना भी लाजमी था क्योंकि इस पूरे सीजन उन्होंने केवल एक ही कंटेस्टेंट से इतनी गहरी दोस्ती बनाई थी। अब देखना होगा कि अशनूर के गेम में क्या बदलाव देखने को मिलते हैं।

सुपरहीरो 'शक्तिमान' की हो रही वापसी

नई दिल्ली। हमारे बचपन का पसंदीदा सुपरहीरो शो, शक्तिमान, एक बिल्कुल नए अवतार में लौट आया है। पॉकेट एफएम ने मुकेश खन्ना के साथ शक्तिमान रिटर्न्स नाम के एक स्पेशल 40-एपिसोड ऑडियो सीरीज में इस शो को वापस लाया है। शक्तिमान के रिवाइवल के बारे में बात करते हुए, मुकेश खन्ना ने कहा कि यह शो युवाओं में सच्चाई, निस्वार्थता और साहस की प्रेरणा देने के लिए बनाया गया है। मुकेश खन्ना ने कहा, ये मूल्य शाश्वत हैं। जब पॉकेट एफएम ने मुझसे कॉन्टैक्ट किया तो मैं यह देखने के लिए एक्साइटेड था कि ऑडियो के जरिए ये आदर्श कैसे जीवंत होंगे। लेकिन, जिस तरह से उन्होंने इसे एक नई कहानी के साथ, शक्तिमान की आत्मा को वैसा ही रखते हुए, फिर से क्रिएट किया है उसने मुझे सचमुच इम्प्रेस किया है। मुझे शक है कि कोई दूसरा प्रोडक्शन हाउस इस किरदार के साथ इतना न्याय कर पाता। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हो रही है कि शक्तिमान का सार जिंदा रखा गया है।

27 साल साथ निभाने वाले 'दादा' को खोकर भावुक हुए अभिषेक

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन के करीबी का निधन हो गया है। वो खास इंसान जो उनके साथ सालों से थे। अब उनके जाने पर एक्टर ने दुख जताया और पोस्ट भी शेयर किया। दरअसल, अभिषेक बच्चन के मेकअप आर्टिस्ट अशोक सावंत का हाल ही में निधन हो गया। सोमवार को अभिनेता ने दुख व्यक्त करते हुए एक पोस्ट साझा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अशोक सावंत के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए बताया कि वे और अशोक पिछले 27 वर्षों से अधिक समय से साथ काम कर रहे थे। उन्होंने लिखा, 'अशोक दादा ने मेरी पहली फिल्म से ही मेरा मेकअप किया है और वह सिर्फ मेरी टीम का हिस्सा नहीं थे, बल्कि मेरे परिवार जैसे थे. उनके बड़े भाई दीपक करीब 50 साल से मेरे पापा का मेकअप कर रहे हैं।' अभिनेता ने बताया कि अशोक सावंत पिछले कुछ दिनों से बीमार थे, जिस कारण वे सेट पर नहीं आ रहे थे। उन्होंने लिखा, "बीमार होने की वजह से वे सेट पर नहीं रहते थे, लेकिन जब भी मैं शूटिंग कर रहा होता, वे रोज मेरे हालचाल पूछते थे और ध्यान रखते थे कि उनका असिस्टेंट मेरा मेकअप सही से कर रहा है या नहीं। वे बहुत दयालु और मिलनसार व्यक्ति थे, जिनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। वे अक्सर अपने बैग में रखी हुई स्वादिष्ट नमकीन निकालकर लोगों को बांटते थे। उन्होंने आगे लिखा, कल रात हमने उन्हें खो दिया. मैं अपनी आने वाली फिल्म का पहला शॉट देने से पहले हमेशा उनके पैर छूकर आशीर्वाद लेता था। अब मैं शॉट से पहले आसमान की तरफ देखूंगा और जानने की कोशिश करूंगा कि आप ऊपर से मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं या नहीं। दादा, आपके प्यार, देखभाल, शालीनता, आपके हुनर और आपकी मुस्कान के लिए धन्यवाद।

इस हफ्ते आ रहीं सस्पेंस-थ्रिलर और इमोशन से भरी फिल्में-सीरीज...

नई दिल्ली। नवंबर का दूसरा हफ्ता ओटीटी दर्शकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं होने वाला है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर इस बार आ रहा है रोमांच, रहस्य और भावनाओं का अनोखा मिश्रण। इस हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्मों और सीरीज में ऐसे कई नाम शामिल हैं, जिनका फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

दिल्ली क्राइम सीजन 3 : 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रहा है दिल्ली क्राइम का सीजन 3। दिल्ली पुलिस की दमदार अफसर वर्तिका चतुर्वेदी एक बार फिर लौट रही हैं- इस बार एक ऐसे केस के साथ जो मानव तस्करी के नेटवर्क को उजागर करेगा। शेफाली शाह का किरदार फिर से केंद्र में है, जबकि हुमा कुरैशी इस बार एक रहस्यमयी विलेन के रूप में नजर आएंगी। यह सीजन पिछले दोनों सीजनों से ज्यादा डार्क और इमोशनल बताया जा रहा है। दिल्ली के दिल में बसने वाले इस अपराध की कहानी आपको अंत तक बांधे रखेगी।

अविहितम : 14 नवंबर को जियोहॉटस्टार पर यह फिल्म दस्तक दे रही है। मलयालम फिल्म 'अविहितम' में उत्तर केरल के एक छोटे गांव की कहानी दिखाई गई है, जहां दोस्तों का एक समूह घूमने जाता है और रास्ते में एक ऐसी घटना घटती है जो सबकी जिंदगी बदल देती है। गांव की रहस्यमयी पृष्ठभूमि और भावनात्मक ट्विस्ट से भरी यह फिल्म सामाजिक रिश्तों की परतें खोलती है। यह कहानी रूरल ड्रामा के साथ-साथ सस्पेंस का भी शानदार मिश्रण है।

जुरासिक वर्ल्ड: रिबर्थ : जियो हॉटस्टार पर 14 नवंबर को आ रही है हॉलीवुड फिल्म जुरैसिक वर्ल्ड रिबर्थ। डायनासोर की दुनिया में एक बार फिर धमाकेदार वापसी होने वाली है। कहानी एक फार्मा कंपनी के इर्द-गिर्द घूमती है जो डायनासोर के डीएनए से इंसानों की बीमारियों का इलाज ढूंढना चाहती है। लेकिन जब वैज्ञानिकों की टीम एक रहस्यमयी द्वीप पर पहुंचती है, तो शुरू होता है असली खतरा। सस्पेंस, साइंस और एक्शन का ये कॉम्बो फैंस के लिए बड़ा ट्रीट साबित होगा।

आंटीप्रेन्योर : 13 नवंबर को शेमारूमी पर यह गुजराती फिल्म रिलीज हो रही है। 65 वर्षीय जसुबेन की कहानी आपको प्रेरित करेगी और मुस्कुराएगी भी। सुप्रिया पाठक कपूर इस गुजराती फिल्म में एक विधवा का किरदार निभा रही हैं जो अपनी हाउसिंग सोसाइटी बचाने के लिए महिलाओं के साथ मिलकर स्टॉक मार्केट में कदम रखती है। जसुबेन का संघर्ष और उनकी उद्यमशीलता की कहानी एक सशक्त महिला की मिसाल पेश करती है। ये फिल्म हर उस व्यक्ति के लिए है जिसने कभी 'अब बहुत देर हो गई' कहा हो।

शानदार एक्टिंग से लोगों के दिलों में बनाई हैं धमेंद्र ने खास जगह

आज भी हर घर में देखी जाती हैं धर्मेंद्र की ये पांच सुपरहिट फिल्में

नई दिल्ली। बॉलीवुड में हीमैन के नाम से फेमस धर्मेंद्र ने एक से बढ़कर एक फिल्मों में शानदार एक्टिंग से लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। आपको बता दें उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देती थी। धर्मेंद्र ने एक्शन के साथ-साथ कई रोमांटिक फिल्में भी की हैं और आज भी हर घर-घर में धर्मेंद्र की सुपरहिट फिल्मों को देखा जाता है।

आग ही आग : धर्मेंद्र की ये फिल्म आग ही आग जो 1987 में रिलीज हुई थी और ये एक एक्शन फिल्म है, जिसको आज भी लोग देखना काफी ज्यादा पसंद करते हैं। आपको बता दें ये उस समय की सबसे बड़ी हिट फिल्म है।

मेरा गांव मेरा देश : मेरा गांव मेरा देश धर्मेंद्र की ये फिल्म 1971 में आई थी, जो उस समय की सबसे सुपरहिट फिल्मों में से एक रही.फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और आज भी धर्मेंद्र की एक्टिंग को लोग खूब पसंद करते हैं।

यमला पगला दीवाना : साल 2011 में आई फिल्म यमला पगला दीवाना धर्मेंद्र की हिट फिल्म साबित हुई, लोगों के दिलों में इसके गाने और फिल्म दोनों ही खास जगह बनाएं हुए हैं।

दोस्त : धर्मेंद्र की 1974 में आई फिल्म दोस्त बॉक्स ऑफिस पर एक सुपरहिट फिल्म साबित हुई. धर्मेंद्र के साथ हेमा मालिनी और शत्रुघ्न सिन्हा भी इस फिल्म में हैं।

वतन के रखवाले : धर्मेंद्र की फिल्म वतन के रखवाले 1987 की एक सुपरहिट फिल्म थी, जिसको लोगों ने खूब पसंद किया और आज भी इसे हर घर-घर में देखना पसंद करते हैं।

इक्कीस में इमोशनल अवतार में आएंगे नजर

धर्मेंद्र बॉलीवुड के शानदार एक्टर हैं। उनकी फिल्म इक्कीस 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में बॉलीवुड के ही-मैन इमोशनल अवतार में नजर आ रहे हैं और ट्रेलर में उन्हें देखकर जमकर तारीफ भी हो रही है। बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र 1960 के दशक से बॉलीवुड में अपनी धाक जमाए हुए हैं। 1960 में दिल भी तेरा हम भी तेरे से उन्होंने अपने कॅरियर की शुरूआत की और अब उनकी अपकमिंग फिल्म इक्कीस सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। अब जब उनकी फिल्म रिलीज होने जा रही है, इस बीच आप जानते हैं कि धर्मेंद्र की नेटवर्थ कितनी है।

करोड़ों का है नेटवर्थ

धर्मेंद्र ने 300 फिल्मों के कॅरियर के साथ 335 करोड़ का अंपायर खड़ा किया है। इसके अलावा उन्होंने कई चीजों में निवेश भी किया है, जिनमें कलनरी से लेकर हॉस्पिटल फील्ड शामिल है। धर्मेंद्र ने गरम धरम ढाबा से रेस्टोरेंट बिजनेस शुरू किया था। उन्होंने एक और रेस्टोरेंट खोला, जिसका नाम हीमैन रखा, जो करनाल हाइवे पर है। सोशल मीडिया पर ही उन्होंने 100 एकड़ में बने फार्महाउस की झलक भी दिखाई है। यह शहर से दूर लोनावला में है, जिसमें स्वीमिंग पूल से लेकर एक्वा थैरेपी शामिल है। इसके अलावा धर्मेंद्र के पास 17 करोड़ की महाराष्ट्र में प्रॉपर्टी भी है।

घर पहुंचकर शासन एवं प्रशासन कर रहा लोगो की समस्याओं के समाधान का प्रयास : मंत्री लक्ष्मी

बिहारपुर में किया गया समस्या समाधान शिविर का आयोजन, मिले 971 आवेदन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को जिले के ओड़गी जनपद अंतर्गत बिहारपुर के महाविद्यालय ग्राउन्ड में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में किया गया। आयोजित शिविर में मंत्री श्रीमती राजवाड़े एवं कलेक्टर एस जयवर्धन द्वारा लोगों से संवाद कर उनके समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया। शिविर में जिलाधिकारियों द्वारा अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इस दौरान शिकायतों एवं समस्याओं को लेकर 971 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी लोगों से शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों सहित जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आज आपके गांव में शासन के साथ पूरा प्रशासन तंत्र

आपके समस्याओं के निराकरण के लिए उपस्थित हुआ है। शासन एवं प्रशासन लगातार प्रयास कर रही है कि वह आप लोगों के घर तक पहुंच कर आपकी सभी समस्याओं का समाधान कर सके। उन्होंने सभी ग्राम वासियों से अपील करते हुए अपने समस्याओं को उपस्थित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के समक्ष रखने को कहा। उन्होंने कहा कि आप सभी ज्यादा से ज्यादा शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। आपको जिस भी योजना के बारे में जानकारी लेनी है और योजना का लाभ लेना है या शिकायत करनी है उस संबंध में अपने अधिकारी को अवगत कराएं। उन्होंने शिविर में आए लोगों से कहा कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता से देखते हुए उनके त्वरित निराकरण करने की कार्यवाही की जाएगी। इन आवेदनों पर कार्यवाही की स्पष्ट स्थिति जानने के लिए पंजीयन क्रमांक के द्वारा कलेक्टर के जनदर्शन पोर्टल पर आवेदन की स्थिति को ट्रैक किया जा सकता है। साथ ही बताया कि इन समस्याओं के निराकरण पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों द्वारा चर्चा भी की जाती है। उन्होंने सभी हितग्राहियों से अपनी शिकायत या किसी योजना का लाभ नहीं मिलने की स्थिति को लेकर अपना पंजीयन करने के लिए कहा।

मंत्री लक्ष्मी ने किया विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्रियों का वितरण

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस दौरान हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत सामग्रियों का वितरण किया गया। उन्होंने श्रवण यंत्र, वाकिंग स्टीक का वितरण किया साथ ही विभिन्न आंगनबाडियों में बच्चों के वजन के लिए मशीन का वितरण किया।

दो पिकअप में लोड 120 बोरी अवैध धान जप्त

राष्ट्रीय उद्यान बैरियर पर तैनात कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर/बिहारपुर। बिहारपुर क्षेत्र में धान तस्करी का नेटवर्क लगातार सक्रिय होता जा रहा है। बुधवार की देर रात लगभग 2 बजे एक बड़ी कार्रवाई में प्रशासन ने दो पिकअप वाहनों को पकड़ा, जिनमें कुल 120 बोरी अवैध धान लोड था। यह धान मध्यप्रदेश के बरगढ़ मकरद्वारी मार्ग से चोरी-छिपे छत्तीसगढ़ में प्रवेश करा जा रहा था।सूचना मिलते ही तहसीलदार बिंदेश्वर प्रजापति और राजस्व निरीक्षक राम सकल सिंह की टीम ने मोहरसोप जंगल क्षेत्र में घेराबंदी की। खैरा रोड से भागते हुए दोनों वाहनों को रोका गया और मौके पर ही कब्जे में लिया गया। वाहनों में लोड धान सहित पूरी कार्रवाई मोहरसोप पुलिस चौकी को सुपुर्द कर दी गई है। जाँच के दौरान जो तथ्य सामने आए हैं, वे और भी गंभीर हैं। पता चला है कि दोनों पिकअप वाहन मकरद्वारी-कोल्हूआ मार्ग से होते हुए गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र के चेकपोस्ट बैरियर को पार कर आए थे। ग्रामीणों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि पार्क बैरियर पर

तैनात विडगार्ड और वनकर्मियों की मिलीभगत के बिना पीरियड क्षेत्र से किसी भी वाहन का निकल पाना संभव नहीं है।उद्यान के रेंजर की निगरानी प्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। बैरियर के बावजूद अवैध धान बड़े वाहनों में कैसे बेरोक-टोक निकल रहा है।

चार प्रमुख मार्ग बने धान तस्करी के रास्ते

बिहारपुर क्षेत्र में इन दिनों विभिन्न राज्यों से बड़ी मात्रा में धान की एंट्री होती पाई जा रही है। जिन रास्तों से धान तस्करी की पुष्टि हुई है उनमें मध्यप्रदेश से नवा टोला मार्ग, मकरद्वारी मार्ग, सपहा मार्ग, उत्तरप्रदेश से चोपता मार्ग इन सभी मार्गों का उपयोग तस्करों द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, और रात के समय धान की एंट्री लगातार जारी है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की ओर से मांग की जा रही है कि इन सभी मार्गों पर पुलिसकर्मी और राजस्व अधिकारियों की डियूटी लगाई जाए, ताकि तस्करी पर रोक लग सके।

मंत्री लक्ष्मी तक पहुँची शिकायत

इस पूरे मामले की शिकायत महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को भी ग्रामीणों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं द्वारा दी गई है। ग्रामीणों का एवं कार्यकर्ताओं का आरोप है कि अधिकारियों और स्थानीय कर्मियों की मिलीभगत के कारण ही धान तस्करी बढ़ती जा रही है। मामले में प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और धान तस्करी के इस नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

सुने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाला आरोपी धराया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सुने मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को भटगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि 3 सितम्बर को प्रगति विहार भटगांव के अभिषेक दुबे ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके बंद घर का ताला तोड़कर गैस टंगी, इलेक्ट्रानिक कुकुर व अन्य कागजात व सामानों को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 303, 331(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। भटगांव पुलिस ने प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी निहाल उर्फ छोटू देवांगन 19 वर्ष प्रगति विहार को पकड़ा। पूछताछ पर उसने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिसके निशानेदही पर 1 नग गैस सिलेण्डर, 1 नग इलेक्ट्रानिक कुकुर कुल कीमती 10 हजार रूपये का बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी, एएसआई नंदलाल सिंह, दिनेश ठाकुर, श्याम सिंह व सैनिक बबलु राजवाडे सक्रिय रहे।

पुलिस ने नाबालिग को पकड़ा ट्रैक्टर चलाते, मालिक पर लगा 30 हजार का जुर्माना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, सुरक्षात्मक उपाए सुनिश्चित कराने एवं यातायात नियमों के प्रति लापरवाही पर सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने दिए है। जिस पर जिले की पुलिस अमल करते हुए हर सम्भव उपाय कर रही है। बीते दिन पुलिस ने एक 17 वर्षीय बालक को बिना ड्राईविंग लायसेंस और बिना नंबर प्लेट के ट्रेक्टर चलाते पाया था। पूछताछ पर उसने बताया कि ट्रेक्टर ग्राम सोहरपुर निवासी प्रदीप जायसवाल का है। मामले में यातायात पुलिस के द्वारा एमव्ही एक्ट की धारा 5/180, 199(क) के तहत इस्तगाशा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जिस पर न्यायालय के द्वारा वाहन स्वामी प्रदीप जायसवाल के पर 30 हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो ने बताया कि सड़क हादसों को रोकने के लिए जिले की पुलिस के द्वारा लगातार यातायात जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नियमों का पालन करने की समझाईश दी जा रही है। वहीं नियमों के उल्लघंन पर सख्ती भी बरती जा रही है। नाबालिक से ट्रेक्टर या अन्य वाहन चलवाने का यह व्यवहार समाज में एक हानिकारक संदेश देता है। उन्होंने नागरिकों से अपील किया है कि यातायात नियमों का पालन करें, वैध ड्राईविंग लायसेंस बनवाने के बाद ही वाहन चलाए, किसी भी परिस्थिति में नाबालिक से वाहन न चलवाए अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेगी।

बतरा ने एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

दतिमा मोड़। एड्स नियंत्रण समिति तथा टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत गुरुवार को पीएचसी बतरा टीम द्वारा भैयाथान विकासखंड के ग्राम बतरा में स्थित स्कूल मैदान में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के संदेहास्पद मरीजों का एच आई व्ही, टीबी, हेपेटाइटिस बी जाँच, बीपी, शुगर एवं यौन जनित रोगों की निःशुल्क जाँच परामर्श तथा निःशुल्क दवाइयां वितरित किया गया।

इस शिविर में आस-पास के निवासरत लोगों में एच आई व्ही तथा टीबी एवं उससे जुड़े अन्य गंभीर बीमारी की पहचान तथा उसके निदान के संबंध में एक दिवसीय एकीकृत स्वाथ्य शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें 163 पंजीयन मरीजो का पंजीयन करके 71 का ऐक्स रे, 90 मरीजो का ब्लड जांच, 43 का नेत्र परीक्षण तथा हेपेटाइटिस एवं सुगर जांच किया गया। स्वास्थ्य शिविर में ग्राम के स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जे.आर. एस सरुता, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह, बतरा पीएचसी मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. जे.बी सिंह, कमलेश तिवारी, के.यू खान, एमएल्टी निखत परवीन, मदनलाल, मोहर लाल गुप्ता, घनश्याम गुप्ता, मदनलाल, शिवबोध, रवि भूषण कुशवाहा, सुलोचनी, बृजेश एवं सभी मितानिन एवं अन्य ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ओव्हरलोड ट्रेक्टर की चपेट में आया मासूम, मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम एक दर्दनाक हादसे में मासूम की जान चली गई है। ठाढ़पाथर के अजय साहू अपने परिवार के साथ खेत में धान की ढुलाई करा रहा था। कट चुके धान को घर ले जाने के लिए उसने किराए पर ट्रैक्टर मंगवाया था। खेत में काम के दौरान अजय साहू ने अपने डेढ़ साल के मासूम बेटे को पास ही सुरक्षित जगह समझकर सुला दिया। लेकिन कुछ ही क्षणों बाद लापरवाही और ओवरलोडिंग ने उस मासूम की जिंदगी हमेशा के लिए छीन ली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर चालक विक्रम पांडे धान को ओवरलोड कर ट्रैक्टर में भर रहा था। धान से अटे पड़े ट्राली को खेत से निकालते समय ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया। चालक के नियंत्रण खोते ही ट्रैक्टर सीधे उस स्थान की ओर बढ़ गया जहां मासूम बच्चा सो रहा था। देखते ही देखते ट्रैक्टर ने बच्चे को

कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि परिवार के लोग चीख पड़ें और पूरा खेत मातम में बदल गया। हादसे के बाद आरोपी चालक विक्रम पांडे ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना चांदनी थाना पुलिस को दी सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में धान ढुलाई के दौरान ओवरलोडिंग का चलन आम हो गया है, जिस पर किसी तरह की रोक-टोक नहीं होती। लापरवाही और अवैध ओवरलोडिंग के कारण आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं, लेकिन निगरानी की कमी के कारण हालात नहीं सुधर रहे हैं।

मासूम की इस दर्दनाक मौत ने क्षेत्र को झकझोर दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से ओवरलोडिंग पर सख्त कार्रवाई और ऐसे वाहनों की नियमित जांच की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसे दोबारा न हों।

जिला जेल में बंदियों को युवा साथी ने उपलब्ध कराया दैनिक उपयोग की वस्तुएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आहार एवं पोषण अभियान के अंतर्गत डाबर इंडिया लिमिटेड के सीएसआर से युवा साथी फाउंडेशन द्वारा माँ राधा टेक्सटाइल्स के सहयोग से यहां जिला जेल में निरुद्ध 380 बंदियों हेतु दैनिक उपयोग के लिए निःशुल्क नारियल तेल, टूथपेस्ट, शैम्पू, बाम उपलब्ध कराया गया। इस दौरान जेल मे पदस्थ डॉ गुप्ता के सहयोग से बंदियों के स्वास्थ्य एवं आँखों का परीक्षण भी किया गया। परीक्षण में 15 कैदियों के आँखों में समस्या थी जिनके लिए पॉवर का चश्मा युवा साथी फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा बनवाकर वितरित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को स्वास्थ के प्रति जागरूक करना और उन्हे शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाना था। जिससे वे रिहाई के पश्चात समाज में अच्छे नागरिक बनकर अपनी पहचान बना सकें और सुखमय जीवन व्यतीत कर सके।

बाईक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह एवं खरीददार सहित 4 गिरफ्तार

4 बाईक जप्त, आरोपियों को पकड़ने भटगांव पुलिस ने खंगाले 40 सीसीटीव्ही फुटेज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की भटगांव पुलिस ने बाईक चोर गिरोह के सदस्यों एवं खरीददार सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की 4 बाईक जप्त किया है। जप्त बाइको की कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई गई है।

बताया गया है कि महेशपुर के सूरज प्रसाद ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 13 सितम्बर को ग्राम सोनगरा आमाडांड बाजार से उसकी मोटर सायकल चोरी हो गई है। जिस पर धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार जरही के भैरव शर्मा ने 16 अगस्त को मोटर सायकल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराने पर अपराध क्रमांक 131/25 पंजीबद्ध किया गया।

एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने लगातार हो रही चोरियों पर अंकुश लगाने, क्षेत्र में लगे सीसीटीव्ही फुटेज का सूक्ष्म निरीक्षण करने तथा पूर्व में चोरी के मामले में लिप्त

लोगों से पूछताछ करते हुए चोरों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। भटगांव पुलिस ने चोरी के मामलों की विवेचना के दौरान क्षेत्र के 40 से अधिक सीसीटीव्ही फुटेज की जांच करते हुए सूचना तंत्र का एक्टिव किया। इसी बीच प्राप्त जानकारी के आधार एवं सुराग मिलने पर संदेही शूभम सोनी निवासी जंगलपारा जरही को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने पंजीबद्ध दोनों मामले की मोटर सायकल चोरी करने की बात कबूली और बताया कि अपने साथियों के साथ संगठित तौर पर गैंग बनाकर बाईक चोरी की वारदात को अंजाम देते थे एवं अम्बिकापुर के मनोज सोनी व उसके बेटे प्रिंस सोनी के पास चोरी किए गए मोटर सायकल को बेचते थे। प्रकरण में मुख्य आरोपी के बताने पर उसके अन्य साथी क्रमशः आकाश कुमार चौबे, दीपक कुमार केवंट एवं मोटर सायकल खरीददार कबाडी अम्बिकापुर निवासी प्रिंस सोनी को दबिश देकर पकड़ा गया।पूछताछ पर दुर्गा पूजा के समय ग्राम करौटी एवं ग्राम दवना से भी अलग-अलग समय पर 2 मोटर सायकल हीरो एचएफ डिलक्स, बजाज प्लेटिना सीडी 100 को आरोपी कबाडी प्रिंस सोनी से जप्त कर इस्तगासा क्रमांक 02/25 धारा 35-(1)(3)बीएनएसएस के तहत वाहन मालिक का पतासाजी किया जा रहा है। सभी आरोपियों से पूछताछ करने पर पता चला उनके द्वारा संगठित रूप से सार्वजनिक स्थान, मुख्य बाजार व रात्रि में घर के बाहर खडे वाहनों को चोरी कर कबाडी के पास खपाते थे। इन आरोपियों के विरूद्ध जिला सरगुजा एवं सूरजपुर के अन्य थाना चौकी में अपराध दर्ज है जहां उन्हें चालान किया जा चुका है। मामले में 4 मोटर सायकल कीमत करीब 2 लाख 50 हजार रूपये का जप्त कर आरोपी शुभम सोनी 22 वर्ष आकाश कुमार चौबे 26 वर्ष दोनों जंगलपारा जरही, दीपक कुमार केवंट 25 वर्ष उर्जा नगर जरही, प्रिंस सोनी ग्राम खैरबार थाना कोतवाली अम्बिकापुर को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी रितेश चौधरी व एसडीओपी अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, एएसआई राजकिशोर खलखो, प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, प्रधान आरक्षक संजय कुमार, आरक्षक दिनेश ठाकुर, रजनिश पटेल, राधेश्याम साहू, श्याम सिंह व सैनिक बबलु राजवाडे सक्रिय रहे।

जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में 15 हाथियों ने जमकर मचाया उत्पात

खेत मे पककर खड़ी धान की फसल किया बर्बाद, आधा दर्जन से अधिक गांवों में दहशत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के दूरस्थ चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात करीब 15 हाथियों के झुंड ने कई गांवों में जमकर उत्पात मचाया और एक दर्जन से अधिक किसानों की खेत मे खड़ी धान की फसल को बुरी तरह चौपट कर दिया। बताया गया है कि क्षेत्र के ग्राम नवडीहा, मोहरसोप, जुड़वनीया, बगझर, कछवारी, बसनरा, कछिया, परसा शाहिद सहित आसपास के गांव में हाथियों की आमद से ग्रामीण पूरी रात दहशत में रहे। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का झुंड धान के खेतों में घुसकर भारी नुकसान कर रहा है, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। कई परिवार पूरी रात खेतों की रखवाली करते रहे, लेकिन हाथियों के आगे कुछ नहीं कर सके। वन विभाग के रेंजर मेवा लाल पटेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि करीब 15 हाथी क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं, और लगातार किसानों की फसल को नुकसान पहुँचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फसल नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे कराया जा रहा है और किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही वन विभाग की टीम हाथियों को आबादी वाले इलाकों से दूर ले जाने की लगातार कोशिश कर रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तेजी से कार्रवाई कर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जाए, ताकि आगे होने वाले बड़े नुकसान को रोका जा सके।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

निविदा सूचना

बलरामपुर, दिनांक 12/11/2025

क्र./365/निर्वा.स्टोर./2024 विगत विधानसभा निर्वाचन-2023 एवं लोकसभा निर्वाचन 2024 के के अनुपयोगी सांविधिक/असांविधिक लिफाफा एवं अन्य अनुपयोगी दस्तावेजों तथा पुराने मतदान प्रकोष्ठों को व्ययन के संबंध में आयोग के निर्देशानुसार रद्दी कागजों, पुट्ठा इत्यादि अनुपयोगी कागजों तथा पुराने मतदान प्रकोष्ठों के विक्रय के संबंध में निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 के नियम 92, 93 एवं 94 के तहत् वर्ष 2023-2024 के समस्त अनुपयोगी दस्तावेजों को विक्रय किये जाने हेतु निविदाकारों से सीलबंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित किये जाने एवं सफल निविदाकार से अनुपयोगी दस्तावेजों/पुट्ठों एवं मतदान प्रकोष्ठों को कतरन/क्रश कर विक्रय किये जाने हेतु निविदाकारों से सीलबंद लिफाफे में निविदा निम्नांकित शर्तों के अधीन दिनांक 27.11.2025 (दिन गुरुवार) तक पुनर्निविदा आमंत्रित किया जाता है। पूर्णतया भरे हुए निविदा प्रपत्र कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, बलरामपुर- रामानुजगंज के (निर्वाचन शाखा कक्ष क्रमांक-16) में दिनांक 27/11/2025 दिन गुरुवार को दोपहर 3.00 बजे तक जमा करना होगा। आमंत्रित पुनर्निविदा दिनांक 27/11/2025 दिन गुरुवार को ही सायं 4.00 बजे निविदाकारों के उपस्थिति में गठित समिति द्वारा निविदा खोली जावेगी। निविदा की शर्ते एवं विवरण जिला के वेबसाईट-www.balrampur.gov.in पर देखी जा सकती है।
(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

अपर कलेक्टर
जिला बलरामपुर-रामानजुजगंज

जी-252604722/2

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/4-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक साहिल गोयल आ० अनिल कुमार गोयल निवासी अग्रसेन वार्ड नंबर 34 खरसिया रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग) के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 215/43 मेसे रकबा 133 वर्गमीटर मकान को अना क्रमांक । सपना सोनी आहरीलाल सोनी, खसरा नंबर 215/43 मेसे रकबा 133 वर्गमीटर मकान को अना. क्रमांक-2 अभिलाषा एक्का आ) बिहारी लाल एक्का, खसरा नंबर 215/43 मैसे रकबा 133 वर्गमीटर/मकान को अना. क्रमांक-3 विनीता चौरसिया पति गया प्रसाद चौरसिया, खसरा नंबर 215/43 मेसे रकबा 133 वर्गमीटर/मकान को अना. क्रमांक 4 सपना सोनी आ०हरीलाल सोनी, खसरा नंबर 215/43 मेसे रकबा 133 वर्गमीटर/मकान को अना. क्रमांक-5 सब्या सिंह पति दीपक कुमार सिंह, खसरा नंबर 215/43, 215/46 मेसे रकबा 114.5, 18.5 वर्गमीटर/मकान को अना. क्रमांक-6 अनिल कुमार मिश्रा आ. स्व. श्यामसुंदर मिश्रा, खसरा नंबर 215/43, 215/46 मेसे रकबा 110.5, 22.5 वर्गमीटर/मकान को अना. क्रमांक-7 प्रियंका गुप्ता आ.नरेष प्रसाद गुप्ता, खसरा नंबर 215/43, 215/42 मेसे रकबा 79, 54 वर्गमीटर/मकान को अना. क्रमांक 8 सुनीता देवी पति ऋषि गुप्ता, खसरा नंबर 215/43, 215/40 मेसे रकबा 40, 93 वर्गमीटर/मकान को अना. क्रमांक-9 रोशनदीप प्रसाद आ. विजयशंकर के पास बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच एवं प्रतवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथया संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 03/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक हरमिन्दर कौर छाबड़ा पत्नी रणदीप सिंह छाबडा उम्र लगभग 46 वर्ष जाति सिक्ख निवासी सी 402 निलाया अपार्टमेंट वीआईपी स्ट्रीट, विशाल नगर रायपुर छ०ग ० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला कौवाडाड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 3 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1413/14, 1413/15 1412/4841/6 रकबा क्रमशः 0.05, 0.01, 0.03 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता दीपक कुमार शर्मा आ० जगदीश प्रसाद शर्मा जाति ब्राम्हण निवासी मेन रोड सूरजपुर एवं प्रतिमा शर्मा पत्नी दीपक कुमार शर्मा उम्र लगभग 41 वर्ष जाति ब्राम्हण निवासी देवीगंज रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।
आज दिनांक11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पद्मुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

7 दिसंबर को होगा राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान विकास खंड में प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान 7 दिसंबर 2025 को होने जा रहा है। इस अभियान की तैयारियों को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अध्यक्ष विकासखण्ड साक्षरता मिशन समिति सोनहत की अध्यक्षता में जनपद सभा कक्ष में समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला आयोजित की गई। बैठक में जिला परियोजना अधिकारी, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण कोरिया, विकास खंड शिक्षा अधिकारी सोनहत, सहित समस्त संकुल पाचार्य/समस्त संकुल शैक्षिक समन्वयक उपस्थित रहे।

कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार बैठक में विकास खंड साक्षरता मिशन समिति से मिली जानकारी के अनुसार 15 से अधिक आयु वर्ग के चिन्हित शिक्षार्थी जो अभी शिक्षा की धारा से नहीं जुड़ सके हैं उनके अभियान के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न स्तर में समन्वयक को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिला परियोजना अधिकारी एवं राज्य साक्षरता मिशन के निर्देशों के अनुसार विकासखंड के प्रत्येक ग्राम तक प्रचार.प्रसार, डाटा कम्प्यूटरी करण और परीक्षा की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ग्राम सचिवों की बैठक आयोजित कर परीक्षा केंद्रों पर सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रचार.प्रसार सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है जिसके अनुक्रम में यह जिम्मेदारी सचिव ग्राम पंचायत को दी गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारीध्नोडल अधिकारी को परीक्षा संचालन, मूल्यांकन और परीक्षा केंद्रों तक प्रश्न पत्रों की सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है जिसके लिए संकुल प्राचार्यों और समन्वयकों को परीक्षा केंद्रों पर समन्वय उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और डाटा एंट्री में सहयोग करने का कार्य सौंपा गया है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार सभी परीक्षा केंद्रों पर यथा संभव शिक्षार्थियों हेतु भोजन/नास्ता के साथ पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और फर्नीचर की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्राप्त निर्देश की जानकारी प्रदान की गई साथ ही परीक्षा महाअभियान के व्यापक प्रचार.प्रसार के लिए दीवारों पर नारा लेखन और जागरूकता कार्यक्रम एवं मुनादी हेतु निर्देश दिया गया।

जनभागीदारी से अभियान को सफल बनाने की अपील

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सभी संबंधित विभागों के सामूहिक प्रयासों से इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है, ताकि शतप्रतिशत शिक्षार्थी लाभान्वित हो सकें और जिला कोरिया पूर्ण साक्षर हो सके।

अवैध मदिरा विक्रेता को भेजा गया जेल

आबकारी विभाग की कार्रवाई में 6 लीटर हाथभट्टी शराब जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर जिले में अवैध शराब निर्माण, बिक्री और तस्करी पर सख्त कार्रवाई जारी है। जिला आबकारी अधिकारी रमेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम सागरपुर (थाना बैकुण्ठपुर) में दबिश देकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त सूचना के आधार पर की गई कार्यवाही में आरोपी जीवन राम पिता रामेश्वर राम के कब्जे से 06 लीटर हाथभट्टी अवैध शराब बरामद कर जप्त की गई। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायाधीश द्वारा आरोपी को 14 दिनों के लिए न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया गया। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सपना सिन्हा, मुख्य आरक्षक बबुआ राम, किशुन राम, आरक्षक नरेन्द्र राजवाड़े, हेमंत राजवाड़े एवं नगर सैनिक रोमा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिले में माह अक्टूबर तक आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के अंतर्गत 07 प्रकरण कायम किए गए हैं, जिनमें कुल 50.95 लीटर शराब की जप्ती हुई है।

जिला आबकारी अधिकारी रमेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि राज्य शासन द्वारा मदिरा दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी एवं सुविधा हेतु मोबाइल पर प्लेस्टोर से श्सेवा सुविधा ऐपश् उपलब्ध कराया गया है। इसके माध्यम से कर्मचारी पारिश्रमिक, ड्यूटी सूचना और शिकायतों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, आम नागरिकों के लिए 'मनपसंद ऐप' के माध्यम से राज्य की सभी देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानों में उपलब्ध ब्रांड, बोतल, अद्धी और पाव के मूल्य एवं स्टॉक की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। अवैध शराब की बिक्री या अन्य शिकायतों के लिए नागरिक टोल फ्री नंबर 14405 अथवा मोबाइल नंबर 9424102102 पर व्हाट्सएप के माध्यम से सूचना दे सकते हैं।

15 नवम्बर को आयोजित होगा जनजातीय गौरव दिवस, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल होंगे मुख्य अतिथि

हितग्राही मूलक सामाग्रियों का होगा वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। शनिवार 15 नवम्बर को जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल खरवत में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी प्रपत्र अनुसार जिला स्तरीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

इस दिन शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव नृत्य प्रतियोगिता का जिला स्तरीय आयोजन भी किया जाएगा। शासकीय संस्थानों, आश्रम छात्रावास तथा आवासीय विद्यालयों में कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे। साथ ही अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार के सदस्यों, जनजातीय समुदाय के प्रमुखों आदि का सम्मान भी किया जाएगा, जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, कला, व्यंजन, हस्तशिल्प एवं विकास प्रदर्शनी तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये भारत सरकार एवं राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रदर्शन भी किया जाएगा। वहीं जनजातीय ग्रामों/विकासखण्डों में विशेष कैम्प (लाभार्थी संतृप्ति शिविर) का आयोजन कर आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन खाता, जाति प्रमाण-पत्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, आदि के संतृप्तिकरण के लिए सेवा प्रदाय एवं वितरण तथा सिकल सेल जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन भी की जाएगी।

वनांचल के दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचा स्वास्थ्य विभाग

बड़गांवखुर्द में विशेष अभियान से बढ़ी जागरूकता

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के वनांचल एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। विकासखण्ड भरतपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बड़गांवखुर्द और उसके आश्रित ग्रामों में 12 नवम्बर 2025 को एक दिवसीय विशेष स्वास्थ्य अभियान संचालित किया गया। यह अभियान कलेक्टर डी. राहुल वेंकट निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. रमन, खंड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अभियान के दौरान कोटाडोल सेक्टर के सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने ग्रामों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य सर्वे किया, बीमार व्यक्तियों की पहचान कर आवश्यक दवाओं का वितरण किया, गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा बच्चों का नियमित टीकाकरण भी संपन्न कराया। आमतौर पर ऐसा पहलें किसी क्षेत्र में बीमारी फैलने के बाद की जाती हैं, परंतु इस बार स्वास्थ्य विभाग ने बीमारी फैलने से पहले ही पहल करते हुए पहुँच विहीन और कठिन इलाकों में लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने भी स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण से प्रसन्नता व्यक्त की और इस पहल के लिए प्रशासन का आभार जताया।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बताया कि ऐसी गतिविधियाँ समय-समय पर आयोजित होने से ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

यह प्रयास माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं माननीया विधायक श्रीमती रेणुका सिंह की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संवेदनशीलता और जनहितकारी दृष्टिकोण को दर्शाता है। भरतपुर विकासखण्ड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे नियमित अभियान उन क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं, जहाँ स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुँचना कठिन है, ताकि किसी भी संभावित बीमारी के फैलाव को पहले ही रोका जा सके और ग्रामीणों को प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की सामान्य सभा की बैठक 18 नवम्बर को

एमसीबी। जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की सामान्य सभा की बैठक 18 नवम्बर 2025 को समय दोपहर 12:00 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत संसाधन केंद्र (DPRC) भवन अमृतधारा, ग्राम पंचायत लाई जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में आहूत की गई है। उन्होंने बैठक में सर्व संबंधितों को उपस्थित होने का आग्रह किया है।

बगीचा विकासखण्ड में मुद्रा एवं बैंक क्रेडिट मेला का हुआ आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत बगीचा विकासखंड में मुद्रा एवं बैंक क्रेडिट मेला का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक द्वारा 01 करोड़ 50 लाख 50 हजार रूपए 94 समूह को एवं 59 लाख रूपए 59 हितग्राहियों हेतु व्यक्तिगत मुद्रा लोन की स्वीकृति प्रदान की गई। मुद्रा एवं बैंक क्रेडिट मेला में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गायत्री नागेश उपस्थित थे। इसी प्रकार विशिष्ट अतिथि में अरविंद गुप्ता, जनपद सदस्य श्रीमती सविता नागेश, दिनेश्वरी केरकेट्टा, जिला

पंचायत से डीएलएम वाल्टर भेंगरा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक वित्तीय समावेशन अमीन खान, जिला प्रमुख साधन अखिल प्रसन्ना सेठ, जनपद पंचायत बगीचा से अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी रमेश सोरी, विकासखंड परियोजना प्रबंधक बिहान रंगेश साहू, सह. वि.वि अधिकारी मिशेल खलको, क्षेत्रीय समन्वयक टीपेन्द्र यादव, अलमा कुजूर, सभी बैंकों से ब्रांच मैनेजर, पीआरपी एवं बिहान की 360 महिलाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष द्वारा बिहान के महिलाओं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया एवं बैंक मैनेजर द्वारा बिहान की महिलाओं को वित्तीय साक्षरता प्रदान किया गया।

स्वामी आत्मानंद स्कूल खड़गवां में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, खड़गवां में बाल दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायी एवं सृजनात्मक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम हर बालिका राष्ट्र की पूंजी रही, जिसके माध्यम से छात्राओं को अपने विचारों, सपनों और दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करने का अवसर मिला। इस आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उनके व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित

करना तथा समाज में उनके योगदान के महत्व को रेखांकित करना था।

कार्यक्रम जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ बालिका सशक्तिकरण, शिक्षा और समानता पर प्रभावशाली भाषण दिए। उनके विचारों में उज्जवल भविष्य और सशक्त भारत की झलक स्पष्ट दिखाई दी। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य प्रमोद पांडेय, शिक्षिकाएं और छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। मिशन शक्ति, महिला एवं बाल विकास विभाग से संरक्षण अधिकारी श्रीमती नीता पांडेय, वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ श्रीमती अनीता कुमारी शाह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर सुश्री अमीषा कुशवाहा की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया। निर्णायकों द्वारा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। उत्साह, जोश और हर्षोल्लास के वातावरण में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नवीन तालाब बना गांव की जीवनधारा

राधारमण नगर के ग्रामीणों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। ग्राम पंचायत सोनवर्षा के ग्राम राधारमणनगर के ग्रामीणों के लिए नया तालाब किसी वरदान से कम नहीं है। कभी जहां गर्मियों में बूंद-बूंद पानी के लिए लोगों को मीलों पैदल चलना पड़ता था, वहीं आज यह तालाब ग्रामीणों की प्यास बुझाने के साथ-साथ खेती और आजीविका का आधार बन चुका है। यह परिवर्तन संभव हुआ है महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत कराए गए नवीन तालाब निर्माण कार्य से, जिसकी लागत 12.80 लाख रुपए रही।

राधारमणनगर गांव लंबे समय से पानी की गंभीर समस्या से गुजर रहा था। यहां का भूमिगत जल स्तर लगभग 450 फीट से नीचे चला गया था, जिससे हैंडपंप सूख जाते थे और गर्मियों में ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता था। ऐसे में ग्राम पंचायत सोनवर्षा द्वारा खदान के पास जल संरक्षण और संचयन के उद्देश्य से नया तालाब बनवाया गया। यह तालाब अब वर्षा जल

को सुरक्षित रखता है और साल भर ग्रामीणों के उपयोग के लिए जल उपलब्ध कराता है।

तालाब निर्माण के दौरान तकनीकी पहलुओं का विशेष ध्यान रखा गया। इसके बांध की चौड़ाई और ऊंचाई को इस तरह मापा गया कि वर्षा का पानी सुरक्षित रूप से जमा रहे और बांध को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे। साथ ही, तालाब की गहराई को अधिक रखा गया ताकि जल लंबे समय तक टिक सके। कार्य का क्रियान्वयन पूरी तरह महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायत के मार्गदर्शन में किया गया, जिससे न केवल जल संरक्षण हुआ बल्कि निर्माण के दौरान ग्रामीणों को रोजगार भी मिला। तालाब निर्माण के बाद गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। पहले जहां खेत सूख जाते थे और फसलें मुरझा जाती थीं, वहीं अब तालाब के आसपास की जमीन में नमी बनी रहती है। इससे खेतों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। किसानों के चेहरों पर अब संतोष की मुस्कान है क्योंकि उनकी मेहनत अब फसल के रूप में रंग ला रही है।

तालाब केवल जल संरक्षण का माध्यम नहीं रहा, बल्कि इसने ग्रामीणों को नई आय का स्रोत भी प्रदान किया है। ग्राम राधारमणनगर के ग्रामीण बाबू सिंह, जीत नारायण (जॉब कार्ड नं. 001/29) तथा श्री एक्का प्रसाद और रविशंकर (जॉब कार्ड नं. 001/79) ने मिलकर तालाब में 3000 मछली बीज छोड़े हैं। इन ग्रामीणों द्वारा तालाब का नियमित रूप से रखरखाव किया जा रहा है। मछली पालन से उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है। साथ ही, तालाब का पानी अब सिंचाई के लिए भी उपयोग में लाया जा रहा है, जिससे खेतों में सालभर हरियाली बनी रहती है।

ग्राम के निवासी बाबू सिंह कहते हैं कि पहले गर्मियों में हमें पानी के लिए बहुत परेशानी होती थी। तालाब बनने से अब न केवल पीने और निस्तार का पानी मिलता है बल्कि खेतों की सिंचाई भी आसानी से हो जाती है। मछली पालन से हमें अतिरिक्त आमदनी का साधन मिला है। यह तालाब हमारे लिए अमृत सरोवर से कम नहीं। आज सोनवर्षा-राधारमण नगर गांव का यह तालाब जल संरक्षण, संचयन और आजीविका संवर्धन का प्रेरक उदाहरण बन गया है। इस कार्य ने यह साबित कर दिया है कि यदि सामूहिक प्रयास और तकनीकी समझदारी के साथ योजनाओं को क्रियान्वित किया जाए, तो किसी भी क्षेत्र में जल संकट जैसी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। ग्राम पंचायत सोनवर्षा का यह प्रयास मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में जल प्रबंधन का एक आदर्श मॉडल बन चुका है, जो अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। राधारमण नगर का यह नवीन तालाब सिर्फ पानी का भंडार नहीं, बल्कि गांव की खुशहाली का प्रतीक बन चुका है। इससे न केवल जल संरक्षण सुनिश्चित हुआ है, बल्कि रोजगार, कृषि और मछली पालन के माध्यम से ग्रामीणों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह कहानी बताती है कि यदि सही दिशा में प्रयास किए जाएं, तो हर बूंद से बदलाव संभव है, और यही तालाब उस परिवर्तन का साक्षी है जिसने गांव को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर किया है।

ग्राम पंचायत तंजरा के सरपंच एवं ग्राम वासियों ने कलेक्टर जनदर्शन में विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने लगाई गुहार

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। विकास खंड सोनहत मुख्यालय से बीस किलोमीटर दुरी पर तंजरा ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम ठकुरहत्थी स्थित है तंजरा पंचायत वनांचल क्षेत्र से आते हैं यहां पर सौर ऊर्जा भी लगा है लेकिन ओ भी दो घंटे जलने के बाद बंद हो जाता है यहां पर एक साल पहले विद्युत आपूर्ति चालु की गई थी लेकिन अभी कुछ माह पुर्व वहां का ट्रांसफार्मर खराब हो चुका है ग्रामीणों का कहना है कि क ई बार बिजली विभाग के कर्मचारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई फर्क नहीं पड़ा तब संरपच तंजरा दिलबसिया एवं ग्रामीणो ने चार नवंबर को कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन किऐ है जिसमें कलेक्टर कोरिया ने बोला है कि बहुत जल्द आपके यहां टान्सफारमा लगेगा तंजरा में मैट्रिक छात्रावास संचालित है जिसमें वहां के बच्चों को भी पढ़ाई प्रभावित हो रही है एवं ग्राम के बच्चे भी पढ़ाई से खासा प्रभावित हो रहे हैं सोलर लाईट भी दम तोड़ चुकी है ग्राम पंचायत के अलावा आंगनबाड़ी केंद्र प्राथमिक शाला में विद्युत कनेक्शन की जरूरत है संरपच के द्वारा मांग की गई है संरपच दिलबसिया के अलावा त्रिवेणी सिह गोविन्द शिव प्रसाद रामचंद्र राम विलास ने टान्सफारमर लगाने हेतु मांग किये है।

जिले के गांवों में नवम्बर माह में ग्राम सभाओं का होगा आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को माह नवम्बर 2025 में ग्राम सभाओं के सुचारू आयोजन के निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 6 के अनुसार प्रत्येक तीन माह में एक बार ग्रामसभा का आयोजन आवश्यक है। शासन के निर्देशानुसार वर्ष में निर्धारित तिथियों 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 02 अक्टूबर के अतिरिक्त माह जून एवं नवम्बर में भी ग्रामसभा आयोजित की जानी है। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद पंचायतवार समय-सारिणी तैयार कर यह सुनिश्चित किया जाए कि एक ही दिन किसी ग्राम पंचायत के एक ग्राम में ही ग्रामसभा आयोजित हो, ताकि सरपंच एवं सचिव ग्रामसभा में उपस्थित रह सकें। कलेक्टर श्री व्यास ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम सभा सम्मेलन का आयोजन सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं जन सहभागिता पूर्ण ढंग से किया जाए, ताकि ग्रामीण विकास की दिशा में पंचायतें और अधिक सशक्त बन सकें। ग्राम सभा की सूचना पंचायत के सूचना पटल पर चिपकाने, ग्राम के प्रमुख स्थलों पर चस्पा करने एवं मुनादी कराकर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामसभा प्रभारी की नियुक्ति समयपूर्व की जाएगी तथा सचिवों एवं प्रभारी अधिकारियों का एजेण्डा आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाएगा। ग्राम सभा की बैठक में पिछले सम्मेलनों में लिए गए संकल्पों के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा